गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

सिर्फ सच के साथ...

वर्ष : 02 अंक: 46 | गोरखपुर रविवार 27 अप्रैल 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

वक्फ संशोधन बिल पर सीएम योगी का बड़ा बयान

यह कुछ लोगों के लिए बन गया था लूट का जरिया

योगी ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरा देश एक नए भारत का निर्माण देख रहा है, जहां बिना किसी भेदभाव के सभी को योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

संवाददाता

गोरखपुर। संसद में पारित वक्फ संशोधन विधेयक पर यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने महाराजगंज में कहा कि अब कोई भी वक्फ बोर्ड के नाम पर जमीन नहीं लूट सकेगा। सार्वजनिक संपत्ति और राजस्व भूमि का उपयोग अब स्कूल, कॉलेज, अस्पताल या गरीबों के लिए आवास बनाने के लिए किया जाएगा। मैं इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को धन्यवाद देता हूं, क्योंकि उत्तर प्रदेश में भी वक्फ बोर्ड के नाम पर लाखों एकड़ जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया गया था। यह कुछ लोगों के लिए लूट का जरिया बन गया था। अब इस लूट पर लगाम लगेगी। योगी ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरा देश एक नए भारत का निर्माण देख रहा है, जहां बिना किसी भेदभाव के सभी को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि शहर घर बिजलीश के बाद अब हर क्षेत्र में शहर घर नलश का लक्ष्य हासिल होने वाला है। क्या कोई सोच भी सकता था कि देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिलेगा? प्रधानमंत्री मोदी ने दिखाया है कि विकास को विरासत के साथ कैसे जोड़ा जाता है। पूरी दुनिया यह देखकर दंग रह गई कि महाकुंभ में 66 करोड़ लोग आए। ऐसा केवल भारत ही कर सकता था। यूपी सीएम ने कहा कि हम गरीबी को शून्य करने का लक्ष्य हासिल करके उत्तर प्रदेश को देश की अर्थव्यवस्था में नंबर एक के रूप में स्थापित करेंगे। उन्होंने कहा कि अगले तीन वर्षों में गरीबी को मिटाकर उप्र को एक समृद्ध राज्य के रूप में स्थापित किया जाएगा। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि पहले की सरकारें एक जिला, एक माफिया को पालती थीं।

वक्फ के बाद अब आरएसएस की नजर ईसाइयों की भूमि पर: राहुल

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की नजर वक्फ के बाद अब ईसाई समुदाय की भूमि पर पड़ गई है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि संविधान रूपी ढाल से ही सबकी रक्षा की जा सकती है। राहुल गांधी में संघ समर्थक पत्रिका ऑर्गनाइजर के एक लेख पर आधारित खबर का स्क्रीनशॉट साझा करते हुए एक्स पर पोस्ट किया, ष्मैंने कहा था कि वक्फ विधेयक अभी मुसलमानों पर हमला करता है लेकिन भविष्य में अन्य समुदायों को निशाना बनाने की मिसाल बनेगा। संघ को ईसाइयों की ओर अपना ध्यान ले जाने में देर नहीं लगी। उन्होंने कहा, संविधान ही एकमात्र ढाल है जो हमारे लोगों को ऐसे

हमलों से बचाता है और इसकी रक्षा करना हमारा सामूहिक कर्तव्य है। कांग्रेस नेता ने जिस लेख का हवाला दिया, अब ऑनलाइन उपलब्ध नहीं है।

एआई को विनियमित करने और नवाचार को बढ़ावा देने के बीच सही संतुलन की आवश्यकता:धनखड़

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) को विनियमित करने और नवाचार को बढ़ावा देने के बीच सही संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता है। उन्होंने एक स्वतंत्र एवं जवाबदेह राष्ट्रीय कृत्रिम मेधा प्राधिकरण का भी आह्वान किया। धनखड़ ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विनियमन और नवाचार को बढ़ावा देने के बीच सही संतुलन बनाए रखते हुए एआई के विनियमन की आवश्यकता है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उन्होंने कहा, अत्यधिक विनियमन एक बच्चे को अत्यधिक अनुशासन में रखने जैसा है।

वक्फ बिल को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। यह बिल संसद में पास हो चुका है। हालांकि, विपक्ष लगातार इसका विरोध कर रहा है। वहीं, इसको लेकर भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि इस वक्फ बिल को लोकतांत्रिक प्रक्रिया का सम्मान करते हुए पारित किया गया है। असदुद्दीन ओवैसी को अपनी बात रखने के लिए पर्याप्त समय मिला। उन्हें न्यायालय से भी निराशा मिल सकती है, क्योंकि वक्फ बिल गरीब मुसलमानों के लिए मोक्ष का साधन है। यह तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए लाए गए 2013 के संशोधन को सही करने का एक साधन है, जिसने गरीब मुसलमानों के अधिकारों का हनन करने के लिए वक्फ का दुरुपयोग किया था। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि जब कोई लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर लोकसभा में उचित चर्चा और मतदान के बाद लिए गए निर्णय पर सवाल उठाता है, तो क्या ऐसे लोगों को सदन में बैठने का अधिकार है? ऐसे लोग न्यायालय में जाकर सदन की गरिमा को धूमिल करते हैं। उनके जैसे संकीर्ण सोच वाले लोग, जो अपने हिसाब से निर्णय चाहते हैं, बार-बार विधायिका का अपमान करते हैं। वे लोकतंत्र में विश्वास नहीं करते हैं। वे संविधान विरोधी हैं। वहीं, संसद में पारित वक्फ संशोधन विधेयक पर यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने महाराजगंज में कहा कि अब कोई भी वक्फ बोर्ड के नाम पर जमीन नहीं लूट सकेगा। सार्वजनिक संपत्ति और राजस्व

भूमि का उपयोग अब स्कूल, कॉलेज, अस्पताल या गरीबों के लिए आवास बनाने के लिए किया जाएगा। मैं इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को धन्यवाद देता हूं, क्योंकि उत्तर प्रदेश में भी वक्फ बोर्ड के नाम पर लाखों एकड़ जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया गया था।

टाटा स्टील को 25,000 करोड़ रुपये की कर माफी पर नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा स्टील ने कहा कि उसे वित्त वर्ष 2018-19 के लिए कर-योग्य

आय का पुनर्मूल्यांकन कर उसमें 25,000 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी करने का आदेश मिला है। कंपनी ने इस आदेश के खिलाफ बंबई उच्च न्यायालय का रुख किया है। टाटा स्टील ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि मूल्यांकन अधिकारी, आयकर उपायुक्त कार्यालय, सर्किल 2(3)(1), मुंबई की तरफ से 13 मार्च को जारी कारण बताओ नोटिस के बाद 31 मार्च को यह मूल्यांकन आदेश आया। कंपनी को 13 मार्च को भेजे गए।

बीजेपी से ज्यादा जमीन किसी ने नहीं हड़पी: अखिलेश

संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के मुखिया और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार पार्टी कार्यालय पर एक प्रेस वार्ता के दौरान वक्फ संशोधन विधेयक (वक्फ बिल) को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला करते

भाजपा को सबसे बड़ी भू माफिया पार्टी बताया। इस दौरान उनके साथ शिवपाल यादव भी मौजूद थे। अखिलेश यादव ने कहा, ष्सबसे बड़ी भू माफिया पार्टी भाजपा है। भाजपा से ज्यादा जमीन किसी ने नहीं हड़पी। केवल गोरखपुर, अयोध्या, कानपुर और लखनऊ के रजिस्ट्रियों की जांच कर लें। यहां सरकारी जमीन तालाब और भी कई चीजें कई तरीके से छिनी गई है। गोरखपुर में आज जमीन को लेकर गोली चली है... सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट ने न जाने कितनी बार बुलडोजर को अमानवीय कहा है। सबसे ज्यादा भु माफियागिरी गोरखपुर और अयोध्या में हुई है। अखिलेश ने यूपी में कानून व्यवस्था को ध्वस्त बताते हुए भाजपा के जीरो टॉलरेंस के नारे को जीरो करार दिया।

रेलवे परियोजनाओं से संपर्क सुविधा संबंधी बुनियादी ढांचे में सुधार होगा: प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार द्वारा चार मल्टी-ट्रैकिंग (एक खंड पर कई पटरियों का निर्माण) रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दिए जाने से संपर्क संबंधी बुनियादी ढांचे में सुधार होगा, लोगों के लिए सुविधा बढ़ेगी, लागत में कमी आएगी और आपूर्ति श्रृंखला मजबूत होगी। एक बयान के अनुसार, पीएम मोदी ने रेल मंत्रालय की चार परियोजनाओं को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिलने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए यह बात कही। इन परियोजनाओं की कुल लागत लगभग 18,658 करोड़ रुपये है। महाराष्ट्र, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के 15 जिलों में फैली इन चार परियोजनाओं से भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 1,247 किलोमीटर की वृद्धि होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के दूसरे चरण को कैबिनेट की मंजूरी मिलना सीमावर्ती गांवों में बेहतर जीवन स्तर सुनिश्चित करने की दिशा में एक असाधारण खबर है। उन्होंने कहा, इस

मंजूरी के साथ हम वाइब्रेंट विलेज के पहले चरण में कवर किए गए गांवों के दायरे का भी विस्तार कर रहे हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जीवन संबंधी स्थितियों को बेहतर बनाना और आजीविका के पर्याप्त अवसर सृजित करना है ताकि समृद्ध और सुरक्षित सीमाएं सुनिश्चित की जा सकें, सीमा पार अपराधों पर लगाम लगाई जा सके और सीमा पर रहने वाले लोगों को राष्ट्र के साथ एकीकृत किया जा सके तथा उन्हें सीमा सुरक्षा बलों की आंख और कान के रूप में तैयार किया जा सके जो कि आंतरिक सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सम्पादकीय...

टैरिफ की चुनौती

पूरी दुनिया को टैरिफ युद्ध की चेतावनी देने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ने अब इसे हकीकत बना दिया है। तमाम विकासशील व विकसित देशों के साथ भारत भी इसकी जद में आया है। मौके की नजाकत को समझते हुए भारत ने हालात से समझौता करने का निर्णय किया है। कमोबेश, इसके तहत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ के मुकाबले लगाए गए टैरिफ को स्वीकार कर लिया गया है। वहीं दूसरी ओर यूरोपीय संघ, चीन और कनाडा ने अपने-अपने देशों के आर्थिक हितों की रक्षा करने के लिये जवाबी कदम उठाने की तैयारी शुरू कर दी है। भारत के लिये अच्छी बात यह है कि हमारे मुख्य प्रतिस्पर्धी-चीन, वियतनाम,बांग्लादेश और थाईलैंड पर हम से कहीं अधिक शुल्क लगाया गया है। नई दिल्ली को यह भी उम्मीद है कि वाशिंगटन के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर काम चल रहा है, जिसके जरिये घरेलू उद्योग को टैरिफ वृद्धि के दुष्प्रभावों से निपटने में मदद मिल सकती है। वैसे देखा जाए तो भारत के लिये प्रतिकूल परिस्थितियों में भी एक अवसर मौजूद हैं। इस दौरान भारत को व्यापार करने में आसानी बढ़ाने तथा लाभांश प्राप्त करने के लिये अपने बुनियादी ढांचे में अधिक निवेश करने की आवश्यकता है। इससे आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को भी बल मिलेगा। ध्यान रहे कि ऐसा ही अवसर भारत के सामने तब भी आया था जब कोविड-19 महामारी के चलते चीन के उत्पादन की रफ्तार धीमी हो गई थी। चीन ने ऐसा कदम लंबे समय से चली आ रही जीरो टॉलरेंस की कोविड नीति के चलते उठाया था। जिसके चलते अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों को विकल्प तलाशने के लिये प्रेरित किया था। लेकिन भारत इसके बावजूद हालात का ज्यादा लाभ नहीं उठा पाया था। विडंबना ये रही कि वियतनाम और थाईलैंड वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में उत्पन्न व्यवधानों का अधिकतम लाभ उठाने में भारत से आगे निकल गए। अतीत से सबक लेकर भारत को नई स्थितियों का लाभ उठाने के लिये बेहतर ढंग से तैयार रहना चाहिए। वैसे इन हालात में बहुत कुछ भारत की तुलना में ट्रंप के टैरिफ से अधिक प्रभावित देशों की प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगा। इन स्थितियों में एक चिंताजनक संभावना यह भी है कि चीन और वियतनाम जैसे देश पहले से ही अमेरिका के लिये निर्धारित अपने निर्यात को भारत में भेजने की कोशिश कर सकते हैं। जिसमें कम लागत वाले सामानों के जरिये भारतीय बाजारों को प्रभावित करने की कोशिश की जा सकती है। भारतीय बाजार तो पहले ही चीन के सस्ते उत्पादों से पटे पड़े हैं। जिससे दोनों देशों में व्यापार असंतुलन की स्थिति बनी हुई है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023-24 के वित्तीय वर्ष में दोनों देशों के बीच व्यापार में हमारा घाटा 85 बिलियन डॉलर तक जा पहुंचा है। वैसे चिंता की बात यह भी है कि भारत ने बीजिंग के साथ व्यापार घाटे को कम करने की दिशा में कुछ खास कदम नहीं उठाये हैं। हालांकि, भारत ने कुछ चीनी उत्पादों पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी जरूर लगाई है। इसका मकसद स्वदेशी उत्पादों को पड़ोसी देश के सस्ते आयात से संरक्षण देना ही था। ऐसे में ट्रंप के टैरिफ से होने वाले नुकसान को कम करने की योजना को लागू करते वक्त इस बात को सुनिश्चित करने के प्रयासों के साथ चलना होगा कि कहीं चीन भारत को प्रतिस्पर्धा के बाजार में शिकस्त न दे दे।

राशिफल

मेष:- संबंधों में कटु वचनों का प्रयोग न करें। आय से ज्यादा व्यय मन को परेशान करेगा। क्षमता से अधिक संसाधनों को जुटाने हेतु मन परेशान होगा। प्रतिकूल स्थिति में घर के वातावरण को खुशहाल बनाने की चेष्टा करें।

बृषभ:- किसी महत्वपूर्ण निर्णय के प्रति मन दुविधाग्रस्त होगा। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम तीव्र होगा। विभागीय परिवर्तनों से कुच दिक्कतें संभव। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा।

मिथुन:- किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंधों में मन केंद्रित होगा। समय के साथ अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सजग हों।

संबंधों में पद व मयार्दा का ख्याल रखें। आलस्य कतई न करें।

कर्क:- नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। परिजनों के सानिध्य व स्नेह से मन प्रसन्न होगा। महत्वकांक्षी मन आय के नये साधनों पर केंद्रित होगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुरूप चलें।

सिंह:- परिजनों के किसी बात का बुरा न माने। नैतिक दायित्वों के प्रति लापरवाही न करें। किसी पुराने संबंधी से आकस्मिक भेंट संभव। संबंधों में अत्याधिक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती हैं। आलस्य कतई न करें।

कन्या:- बीती बातों का मलाल न करें। भविष्य संबंधी चिंताओं को लेकर मन परेशान होगा। रोजगार में अति व्यस्तता रहेगी। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। नये आयाम उत्साहित करेंगे।

तुला:- अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति संबंधों की मधुरता बढ़ेगी। शासन-सत्ता में पकड़ मजबूत होने के साथ आय के नये साधन सुलभ होंगे। ग्रहो की अनुकूलता से बिगड़े काम पूर्ण हो जाएंगे।

वृश्चिक:- मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव। परिवार में किसी महत्वपूर्ण कार्य के सार्थक होने के आसारहैं। जीवन साथी के सहयोग से समस्याओं का हल होगा।

धनु:- विरोधियों की प्रबलता से कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां संभव। जीविका क्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। दूसरो की निंदा से आपके व्यक्तित्व की गरिमा घट सकती है। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा।

मकर:- पारिवारिक समस्याओं को हल करने में केंद्रित होंगे। जिंदगी में मिल रहे नये अवसरों का भरपूर लाभ उठाएं। हर मामले में हठ करना ठीक नहीं है। किसी नये संबंध के प्रति निकटता हानिकारक हो सकती है।

कुंभ:- नैतिक-अनैतिक आदि के बारे में सोचने वाला मन भौतिक जगत से असंतुष्ट रहेगा। आकांक्षाएं सार्थकता हेतु उद्वेलित करेंगी। घरेलू समस्याओं को बाहर का तमाशा न बनने दें। किसी पुराने संबंधी से निकटता बढ़ेगी।

नागरिकों के सिर की छत ऐसे नहीं गिराई जा सकती

वर्षा भम्भाणी मिर्जा

एक आठ साल की बच्ची बुलडोजर से ढहते और जलते हुए घर से अपनी किताबें निकालकर दौड़ती है ताकि यह तबाही उसकी पढ़ाई को न रौंद दे। यह दृश्य वाकई बहुत क्रूर है, संविधान के मौलिक अधिकारों का हनन है और भारत का कानून कभी इसकी अनुमति नहीं देता है। कघनून इस बात की भी इजाजत नहीं देता है कि पुलिस मुठभेड़ में मार दिए गए आरोपी के परिवार के घरों को शासन का अमला जमींदोज कर दे और फिर प्रचारित करे कि यह हमारा बुलडोजर जस्टिस है। यह भारतीय संविधान की उस भावना की भी अवहेलना है जो मानती है कि अपराध साबित होने तक हर आरोपी निर्दोष है, किसी एक के अपराध की सजा उसके परिवार को नहीं दी जा सकती। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट के दो जज जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की संयुक्त पीठ ने कहा- नागरिकों के सिर की छत ऐसे नहीं गिराई जा सकती। ये मामले हमारे विवेक को झकझोर देते हैं। यह कघनून और मानवता के खिलाफ है।

कोर्ट ने बुलडोजर न्याय को बुलडोजर अन्याय साबित करते हुए प्रत्येक परिवार को दस-दस लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश भी दिया। केवल आरोप और शक के आधार पर किसी का घर बुलडोज कर देने की यह बीमारी भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों के साथ छूत की तरह अन्य राजनीतिक दलों को भी लग रही है। सवाल यह है कि यह लोकतांत्रिक ढंग से चुनी हुई सरकारें ऐसे तमाम फंडे क्यों अपनाने लग जाती हैं कि लगता है जैसे देश में कघनून का राज समाप्त हो गया हो? उत्तर प्रदेश सरकार के वकील का तर्क था कि दस लाख के मुआवजे की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि अपील करने वालों के पास नए घर हैं, तब सर्वोच्च न्यायालय ने लगभग फटकार लगाते हुए कहा कि इससे प्रयागराज विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को गलती का एहसास होगा और प्राधिकरण भविष्य में कानूनी प्रक्रिया का पालन करना याद रखेगा। वैसे देखने में यही आया है कि सरकारें ऐसी घटनाओं को गलत नहीं मानतीं। तभी प्रदेश के मुख्यमंत्री ने भी कह दिया है कि बुलडोजर का उपयोग जरूरत है, कोई उपलब्धि नहीं। मामला करीब चार साल पुराना है। मार्च 2021 में प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने लूकरगंज क्षेत्र के मकानों को केवल एक दिन के नोटिस पर बुलडोजर से ढहा दिया। इसका वायरल वीडियो, जिसमें एक आठ साल की बच्ची आग और बुलडोजर से अपनी किताबों को बचा रही है, वह पिछले माह का है। दृश्य, जिसने सर्वोच्च अदालत की अंतरात्मा को झकझोर दिया था, उसमें उत्तरप्रदेश के अंबेडकर नगर के अरई गांव की बच्ची अनन्या यादव है। वह पहली कक्षा में पढ़ती है। उस दिन 24 मार्च को उसने रोज की तरह स्कूल से आकर अपने छप्पर में बस्ता रखा ही था कि आग लग गई। उस छप्पर में अनन्या का परिवार जानवरों को बांधता है। एक तरफ आग लगी थी, दूसरी ओर पुलिस तथा नगर निगम का अमला उसके घर को जमींदोज करने में लगा था। बच्ची ने एक रिपोर्टर को बताया कि उसे डर था कि अगर उसकी किताबें जल गई तो दोबारा नहीं मिलेंगी। इसके लिए वह आग में भी चली गई। नाम के मुताबिक यह बच्ची अनन्या (उस जैसा कोई नहीं) ही है लेकिन यह कितना डरावना है कि सरकारें कोई भी हों, अतिक्रमण हटाने के नाम पर आए दिन घरों को उजाड़ती हैं। ये दस्ते जब इन जगहों पर पहुंचते हैं तो चीत्कार का आलम होता है। इनके बुलडोजरों के आगे घर की महिलाएं लेट जाती हैं, हाथ जोड़ती हैं, आंसुओं से विनती करती हैं लेकिन किसी का दिल नहीं पसीजता। ये सब जैसे एक राक्षस में तब्दील होकर हुकुम की तामील में लग जाते हैं। इन पीड़ितों के चेहरे उन चेहरों से कतई अलग नहीं होते जो युद्ध और दंगा पीड़ितों के होते हैं। इनकी आखों में उसी भय और पीड़ा को पढ़ा जा सकता है।

अफसोस कि प्रशासन के दिल और दिमाग भी इन्हीं बुलडोजरों जैसे सख्त होते हैं और अब सख्ती को ही उन्होंने अपना शगल बना लिया है। सवाल यही है कि इस शासन के पीछे जो नेता हैं वे क्यों जनता के समर्थन से जीतने के बाद जनता का ही दमन करने लगते हैं? पूछने पर इस सवाल का प्रभावी जवाब एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से आता है। उसके मुताबिक बहुत बार ऐसा होता है कि लोकतांत्रिक तरीके से ही तानाशाह भी सत्ता में आ जाते हैं। अपनी हार के डर से वे संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करते हैं, विपक्ष की आवाज को दबाते हैं और स्वतंत्र मीडिया को मौन कर देते हैं। आलोचकों और विरोधियों को चुप करने के लिए कानूनी पेंचों का इस्तेमाल करते हैं और कभी-कभार कघनून बदलकर अपनी ताकघत बढ़ाते हैं। मकसद केवल एक होता है- सत्ता लंबे वक्त तक उनकी बनी रहे। कोई-कोई तो हमेशा के लिए। देशों की बात करें तो रूस और चीन के राष्ट्राध्यक्ष आजीवन पद पर बने रहने का इंतजाम कर चुके हैं।

कुछ खास...

संविधान से बड़ी छेड़छाड़ का रास्ता खुला

अपनी संख्या बल के आधार पर चाहे भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) की सरकार ने देश के वक्फ कानून में अपनी मर्जी का बदलाव करने में सफलता पा ली हो, लेकिन जो संदेश इसे पारित करने के लिये, खासकर लोकसभा में हुए मतदान ने जनता को दिया है उससे सम्भवतरू देश के अल्पसंख्यकों को यह जानने में मदद मिलेगी कि उनकी जगह क्या है, उनके खैरख्वाह कौन हैं और कौन अहित चाहते हैं। लोकसभा ने बुधवार को 288 के मुकाबले 232 वोटों के बहुमत से वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 को पारित कर दिया तथा गुरुवार को राज्यसभा में दिन भर से इस पर चर्चा जारी है। इस सदन में 236 सदस्य हैं। बिल को पास करने के लिये 119 सदस्य चाहिये जबकि भाजपा के इसमें 98 सदस्य हैं। लोकसभा में इस विधेयक के पक्ष में विरोधी खेमे के 5 सदस्यों के वोट पड़े थे। राज्यसभा में भाजपा आवश्यक आंकड़ा प्राप्त करती है या नहीं, यह देखना होगा। हालांकि इस सदन में प्रस्ताव गिर भी जाये तो भी सरकार को फर्क नहीं पड़ेगा क्योंकि बाद में उसे दोबारा भेजकर संवैधानिक नियमों के तहत पारित करा ही लिया जायेगा। इसे उच्च सदन पूरी तरह से रोक नहीं पायेगा। इस कानून के एक तरह से अस्तित्व में आ जाने के बाद अब वक्त है कि अल्पसंख्यक, विशेषकर मुस्लिम सोचें कि उन्हें आगे क्या करना है। यह ऐसा समय है जब उन्हें समझना होगा कि कौन से राजनीतिक दल और व्यक्ति उनका वाकई भला चाहते हैं और किन दलों ने इस विधेयक को पारित कराने में सहयोग देकर उन्हें कमजोर करने का मार्ग प्रशस्त किया है। वैसे तो मतदान का जो पैटर्न दिखा तथा विधेयक के पक्ष-विपक्ष में जो तर्क दिये गये, वे बता देते हैं कि कौन सा दल उनके पक्ष में खड़ा है। कोई यह न सोचे कि यह पैटर्न वक्फ कानून पर मतदान तक ही सीमित रहेगा। पहली बार 8 अगस्त, 2024 को जब यह विधेयक संसद में पेश हुआ था, तब उस पर हुई चर्चा, तत्पश्चात उसे संयुक्त संसदीय समिति में भेजे जाने तक कुछ दलों का रवैया आश्चर्यजनक ढंग से तथा उम्मीदों के विपरीत भाजपा के प्रति सहयोगात्मक रहा। ये वे दल हैं जो वक्फ कानून पर सरकार से बात कर सकते थे। इनमें से कम से कम दो तो ऐसी पार्टियां हैं ही जो अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षक मानी जाती रही हैं और उन्हीं पर सरकार टिकी हुई है। यदि एक बार भी वे समर्थन वापसी की धमकी देते तो यह विधेयक भाजपा सरकार अलमारी में बन्द कर देती। ये दोनों दल हैं- आंध्रप्रदेश की तेलुगु देसम पार्टी और बिहार की जनता दल यूनाइटेड जिसके क्रमशः 16 और 12 सदस्य हैं। दोनों ही अल्पसंख्यक समर्थक पार्टियां कहलाती हैं लेकिन इस विधेयक को उनके मिले समर्थन ने यह भरम तोड़ दिया। इस विधेयक पर चर्चा ने सियासी समीकरणों को तथा सत्ता के लिये विचारधारा की कुर्बानियों को और भी स्पष्ट कर दिया है। इस कानून को पारित कराकर भाजपा यह बताने में कामयाब रही है कि इस लोकसभा के चुनाव में उसे चाहे कम सीटें मिली हों लेकिन जनता अब भी उसके साथ है तथा एनडीए को कोई खतरा नहीं है। जेडीयू व टीडीपी के सांसदों के अलावा राष्ट्रीय लोक दल के जयंत चैधरी, हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा के जीतनराम मांझी एवं जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के चिराग पासवान से भी अल्पसंख्यकों व धर्मनिरपेक्षता में यकीन करने वालों को उम्मीद थी कि वे उनके पक्ष वाली लाइन पर चलेंगे लेकिन वे भी सरकार के साथ रहे। इनमें से कई मंत्री व सांसद तो अपने भाषणों में भाजपा ही नहीं, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को भी मात देते हुए नजर आये। कोई यह न समझे कि संदेश केवल अल्पसंख्यकों से सम्बन्धित इस विधेयक तक ही सीमित है। यही हाल दलितों व ओबीसी से सम्बन्धित किसी भी फैसले के वक्त होगा- फिर चाहे वह उनके खिलाफ ही क्यों न हो।

मशहूर अभिनेता और फिल्म निर्देशक मनोज कुमार का 87 वर्ष की उम्र में मुंबई में निधन

मनोज कुमार की लव स्टोरी है बेहद दिलचस्प, डेढ़ साल तक चलती रही खामोश मोहब्बत

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता मनोज कुमार का निधन हो गया है। उनके निधन से उनका परिवार शोक में डूबा हुआ है, खासकर उनकी पत्नी शशि गोस्वामी की तबीयत खराब बताई जा रही है। अपने पति को खोने का दुख उनके लिए बहुत गहरा है। मनोज

कुमार और शशि की मोहब्बत सालों पुरानी है और उनका रिश्ता बेहद खास था। मनोज कुमार को प्यार एक ही बार हुआ और उन्होंने उसी लड़की को जिंदगीभर के लिए चुन लिया। मनोज कुमार ने एक बार अपनी पत्नी शशि गोस्वामी से अपनी पहली मुलाकात के बारे में बताया था। यह मुलाकात तब हुई थी, जब मनोज दिल्ली में ग्रेजुएशन कर रहे थे। मनोज ने बताया कि जब वे अपने दोस्त के घर पढ़ाई करने जाते थे, तो एक दिन उनकी नजर शशि पर पड़ी। शशि का चेहरा देख मनोज कुमार दिल से उन पर फिदा हो गए। उन्होंने कभी किसी लड़की को इस तरह से नहीं देखा था और शशि के चेहरे पर उनकी नजरें रुक गईं। इसके बाद, मनोज और शशि ने डेढ़ साल तक बस एक-दूसरे को दूर से ही देखा। दोनों में से किसी के पास एक-दूसरे से बात करने का साहस नहीं था। धीरे-धीरे उनका प्यार बढ़ता गया और दोनों ने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया। इस दौरान शशि के परिवारवाले इस रिश्ते के खिलाफ थे, लेकिन मनोज के परिवार को इससे कोई आपत्ति नहीं थी। दोनों अक्सर छिप-छिपकर मिलते और एक-दूसरे से प्यार करते। मनोज कॉलेज की छत पर जाते और शशि अपने घर की छत पर होतीं, ताकि दोनों एक-दूसरे को देख सकें, लेकिन बिना किसी की नजरों में आए। 1957 में शादी से पहले शशि गोस्वामी को एक फिल्म का ऑफर मिला था। जब उन्होंने मनोज से पूछा कि क्या उन्हें यह ऑफर स्वीकार करना चाहिए, तो मनोज ने कहा कि उन दोनों में से कोई एक ही फिल्म इंडस्ट्री में काम करेगा। इसके बाद शशि ने रेडियो प्ले में काम करना शुरू किया था। मनोज और शशि की यह प्यारी कहानी उनकी जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुकी है। दोनों की मोहब्बत ने बॉलीवुड के एक बड़े सितारे को जन्म दिया, और उनकी यह प्रेम कहानी हमेशा याद रखी जाएगी।

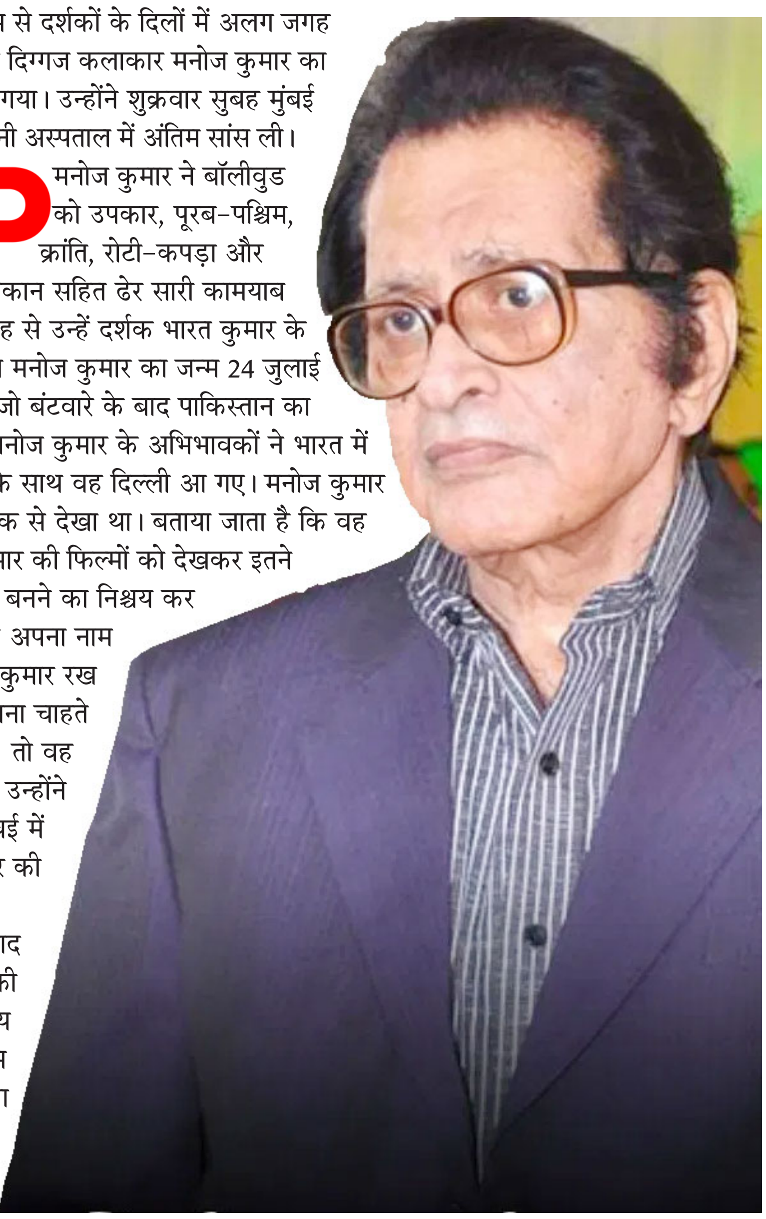

देशभक्ति फिल्मों के माध्यम से दर्शकों के दिलों में अलग जगह बनाने वाले हिंदी सिने जगत के दिग्गज कलाकार मनोज कुमार का 87 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने शुक्रवार सुबह मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में अंतिम सांस ली।

R.I.P

मनोज कुमार ने बॉलीवुड को उपकार, पूरब-पश्चिम, क्रांति, रोटी-कपड़ा और मकान सहित ढेर सारी कामयाब फिल्में दीं। इन फिल्मों की वजह से उन्हें दर्शक भारत कुमार के नाम से भी जानते थे। अभिनेता मनोज कुमार का जन्म 24 जुलाई 1937 को ऐबटाबाद में हुआ, जो बंटवारे के बाद पाकिस्तान का हिस्सा बना। बंटवारे के बाद मनोज कुमार के अभिभावकों ने भारत में रहने का फैसला किया। इसी के साथ वह दिल्ली आ गए। मनोज कुमार ने बंटवारे का दर्द बहुत नजदीक से देखा था। बताया जाता है कि वह दिलीप कुमार और अशोक कुमार की फिल्मों को देखकर इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने एक्टर बनने का निश्चय कर लिया। इसी के साथ ही उन्होंने अपना नाम हरिकिशन से बदलकर मनोज कुमार रख लिया। मनोज कुमार एक्टर बनना चाहते थे और जब वह कॉलेज में थे, तो वह थिएटर ग्रुप से जुड़े। दिल्ली से उन्होंने मुंबई का सफर तय किया। मुंबई में मनोज कुमार ने एक्टिंग करियर की शुरूआत की। 1957 में उनकी फिल्म श्फैशनश आई। इसके बाद 1960 में उनकी फिल्म कांच की गुड़िया रिलीज हुई। बतौर मुख्य अभिनेता के तौर पर यह फिल्म दर्शकों को पसंद आई और लोग मनोज कुमार को नोटिस करने लगे। इसके बाद तो मनोज कुमार ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। मनोज कुमार ने इसके बाद हिन्दी सिनेमा को उपकार, पत्थर के सनम, रोटी कपड़ा और मकान, संन्यासी और क्रांति जैसी सुपरहिट फिल्में दीं। खास बात यह है कि दिग्गज अभिनेता की फिल्मों में उनका नाम मनोज कुमार ही रहता था। मनोज कुमार ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के कहने पर एक फिल्म बनाई थी, जिसका नाम उपकार रखा गया। इसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। दुख की बात यह है कि इस फिल्म को पूर्व पीएम देख नहीं पाए थे। मनोज कुमार को उनकी फिल्मों के लिए 7 फिल्मफेयर पुरस्कार मिले थे। साल 1968 में उपकार ने बेस्ट फिल्म, बेस्ट डायरेक्टर, बेस्ट स्टोरी और बेस्ट डायलॉग के लिए चार फिल्मफेयर जीते। 1992 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया। 2016 में उन्हें दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड से नवाजा गया।

लेखिका पुष्पा पलात ने केसरी चैप्टर 2 के लिए बांधे अनन्या पांडे की तारीफों के पुल

प्रसिद्ध लेखिका पुष्पा पलात और दिवंगत सर सी. शंकरन नायर के परिवार ने केसरी चैप्टर 2 में अभिनेत्री अनन्या पांडे के समर्पण और कड़ी मेहनत के लिए उनकी दिल से सराहना की है। सर सी. शंकरन नायर के जीवन और विरासत से प्रेरित इस बहुप्रतीक्षित फिल्म में अनन्या एक महत्वपूर्ण भूमिका में हैं और वास्तविक जीवन की कहानी से जुड़े लोग उन्हें बड़े पर्दे पर जीवंत होते देखने के लिए उत्सुक हैं। सोशल मीडिया पर पुष्पा पलात और सर सी. शंकरन नायर के परिवार ने अनन्या को विशेष रूप से धन्यवाद देते हुए अपनी खुशी व्यक्त की। उनके प्रोत्साहन भरे शब्द अभिनेत्री द्वारा अपनी भूमिका में डाले गए प्रयास और जुनून को उजागर करते हैं।

करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्देशित, केसरी चैप्टर 2 एक मनोरंजक ऐतिहासिक ड्रामा है जो सर सी. शंकरन नायर की उल्लेखनीय यात्रा और न्याय के लिए उनकी लड़ाई पर आधारित है। अनन्या पांडे के दमदार किरदार में आने के बाद, फिल्म के लिए उत्सुकता बढ़ती जा रही है। फैंस और इंडस्ट्री के लोग अनन्या के अभिनय का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और इस तरह के मजबूत समर्थन के साथ, उम्मीदें बढ़ रही हैं। केसरी चैप्टर 2 एक प्रेरणादायक सिनेमाई अनुभव होने का वादा करता है।

दिवंगत एक्टर मनोज कुमार को श्रद्धांजलि देने पहुंची रवीना टंडन, चेहरे पर साफ दिखी उदासी

हिंदी सिनेमा के दिग्गज एक्टर और फिल्म निर्देशक मनोज कुमार अब इस दुनिया में नहीं रहे। उनका शुक्रवार सुबह 87 साल की आयु में निधन हो गया। एक्टर के निधन की खबर से पूरे सिनेमा जगत में शोक की लहर दौड़ गई। बताया जा रहा है कि मनोज कुमार का अंतिम संस्कार कल सुबह पवन हंस श्मशान घाट, जुहू में किया जाएगा। ऐसे में बॉलीवुड सेलेब्स दिवंगत एक्टर के अंतिम दर्शन के लिए उनके घर पहुंच रहे हैं। हाल ही में मनोज कुमार के पार्थिव शरीर के दर्शन करने पहुंची रवीना टंडन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। उनके चेहरे पर एक्टर के निधन की उदासी साफ देखने को मिल रही है। वह गाड़ी से उतरते ही बिना रुके दिवंगत एक्टर के घर की ओर बढ़ रही हैं। इस दौरान वह व्हाइट कपड़ों में नजर आ रही हैं। इस दौरान रवीना टंडन ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आज भी उनकी दी हुई 3 चीज लेके आई हूं और इनके जैसी प्रेरणा फिल्म या देश भक्ति फिल्म ना किसे ने बनाई है ना बनेगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत कुमार के नाम से मशहूर अभिनेता ने सुबह 4.03 बजे अंतिम सांस ली। उनके निधन की वजह दिल का दौरा बताई गई।

रिपोर्ट ने यह भी पुष्टि की गई कि मनोज कुमार पिछले कुछ महीनों से डीकंपेंसेटेड लिवर सिरोसिस से जूझ रहे थे। उनकी हालत बिगड़ने के बाद उन्हें 21 फरवरी, 2025 को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

बालों के झड़ने या गंजेपन का इलाज अब होगा बहुत आसान, वैज्ञानिकों ने खोज लिया इसका 'चमत्कारी तरीका'

क्या आप भी बालों की समस्या का शिकार हैं? झड़ते बालों और गंजेपन ने आत्मविश्वास कमजोर कर दिया है? अगर हां तो अब टेंशन लेने की जरूरत नहीं है, वैज्ञानिकों की एक टीम ने बाल झड़ने से रोकने का इलाज खोज लिया है।

कुछ दशकों पहले तक माना जाता था कि उम्र बढ़ने के साथ बालों के सफेद होने या झड़ने की दिक्कत बढ़ जाती है। 50 की उम्र के बाद गंजेपन का खतरा अधिक होता है, हालांकि ये अब बीती हुई बातें होकर रह गई हैं। आज के समय में 20 से भी कम उम्र के लोग बालों से संबंधित समस्याओं से परेशान देखे जा रहे हैं। 20-30 की उम्र वाले लोगों के न सिर्फ तेजी से बाल झड़ रहे हैं, इनमें गंजेपन की दिक्कत भी बढ़ गई है।क्या आप भी इस तरह की समस्या के शिकार हैं? झड़ते बालों और गंजेपन ने आत्मविश्वास कमजोर कर दिया है? अगर हां तो अब टेंशन लेने की जरूरत नहीं है, वैज्ञानिकों की एक टीम ने बाल झड़ने से रोकने का 'चमत्कारी तरीका' खोज लिया है।दावा किया जा रहा है कि इससे न सिर्फ बालों को गिरने से रोका जा सकता है साथ ही नए बालों को उगाना भी आसान हो सकता है।

भारतीय पुरुषों में बढ़ती बालों की समस्या

लाइफस्टाइल, खान-पान और पर्यावरण जैसी कई समस्याओं ने बालों से संबंधित दिक्कतों को काफी बढ़ा दिया है। भारतीय पुरुष भी इससे काफी प्रभावित देखे जा रहे हैं।एक डेटा के अनुसार भारत में 25 से कम आयु के लगभग 50.31% पुरुष बाल झड़ने या गंजेपन की समस्या से परेशान हैं, 21 वर्ष से कम आयु के पुरुषों में ये आंकड़ा 25.89% है। बालों के इलाज या फिर इसे दोबारा उगाने के लिए किए जाने वाले उपायों पर अकेले भारत में हर साल 2500 करोड़ रुपये से अधिक का खर्च हो रहा है। वैज्ञानिकों की एक टीम बालों की इन समस्याओं का स्थायी इलाज ढूंढने की दिशा में काम कर रही है जिन्हें शुरूआती स्तर पर सफलता मिलने की खबर है।

चूहों पर अध्ययन में दिखे बेहतर परिणाम

सिंगापुर में ड्यूक-एनयूएस मेडिकल स्कूल और ऑस्ट्रेलिया में वाल्टर और एलिजा हॉल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल रिसर्च की एक टीम के नेतृत्व में ये अध्ययन किया गया। इसमें वैज्ञानिकों ने एमसीएल-1 नामक प्रोटीन का पता लगाया है, जिसकी बालों के विकास और हेयर फॉलिकल (रोम) को सुरक्षा देने में महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।अगर इस प्रोटीन के उत्पादन को बढ़ा दिया जाए तो न सिर्फ बालों को मजबूत किया जा सकता है, बल्कि इससे गंजेपन के जोखिमों को कम करने में भी मदद मिल सकती है। चूहों पर किए गए अध्ययन में अच्छे परिणाम देखे गए हैं। अध्ययन को नेचर कम्युनिकेशन जर्नल में प्रकाशित किया गया है।

बालों के विकास में प्रोटीन की भूमिका

इस प्रोटीन की बालों के विकास में क्या भूमिका हो सकती है, इसे समझने के लिए टीम ने चूहों में 90 दिनों के लिए इस प्रोटीन को ब्लॉक कर दिया, प्रोटीन ब्लॉक होने के बाद चूहों के बाल तेजी से झड़ने लगे। इस आधार पर वैज्ञानिकों ने पाया कि ये प्रोटीन बालों के विकास के लिए जरूरी है। यह हेयर फॉलिकल स्टेम सेल्स को एक्टिव करने में मदद करता है।एमसीएल-1 प्रोटीन फॉलिकल स्टेम सेल्स को डैमेज होने से भी बचाता है। अगर इस प्रोटीन को बढ़ावा देने के उपाय किए जाएं या इसके लिए कोई दवा विकसित कर ली जाए तो इससे बालों का दोबारा उगना आसान होता है।चूहों के बाद अब इंसानों पर इसका परीक्षण किया जाना है।

दूर होगी बालों की दिक्कत

शोधकताओं ने अध्ययन की रिपोर्ट में लिखा, यह पहले से ही ज्ञात था कि एमसीएल-1 कई अलग-अलग प्रकार के ऊतकों को डेड होने से बचाने में मददगार है। जब बालों की बात आती है, तो एमसीएल-1हेयर फॉलिकल को भी क्षतिग्रस्त होने से बचा सकता है इंसानों पर अगर ये परीक्षण सफल रहता है तो ये बालों की बढ़ती समस्या के इलाज में काफी महत्वपूर्ण हो सकता है। एमसीएल-1 प्रोटीन के उत्पादन को बढ़ाना देने वाली दवाओं या अन्य माध्यम से बालों का इलाज करना और गंजेपन को कम करना आसान हो सकता है।

लैपटॉप पर काम करने से कलाइयों में होता है दर्द तो करें इन योगासनों का अभ्यास

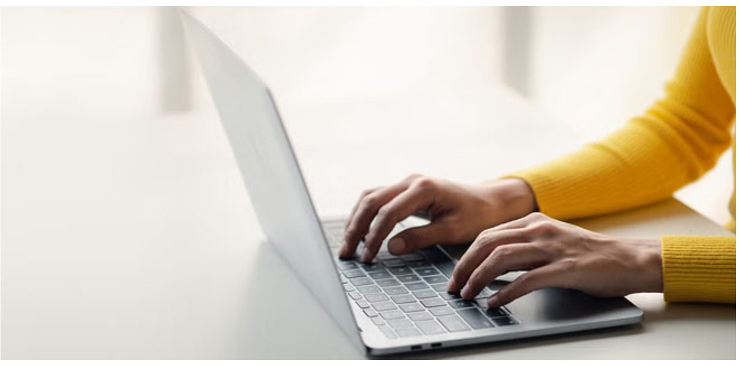

विशेषज्ञ के मुताबिक कुछ योग मुद्राएं हैं जो कलाई की मांसपेशियों को सक्रिय कर सकते हैं, लचीलापन और गतिशीलता में सुधार कर सकते हैं और रक्त संचार को बढ़ाने के साथ ही जोड़ों के कार्य को बेहतर बना सकते हैं।

डिजिटल युग में छात्रों से लेकर नौकरीपेशा लैपटॉप या कंप्यूटर पर ज्यादा समय बिताने लगे हैं। डेस्कटॉप वर्क अधिक समय देने वालों की कलाइयों और उंगलियों में दर्द हो सकता है जो किन गलत तरीके से टाइप करने, कलाई पर दबाव या लंबे समय तक एक ही स्थिति में रहने के कारण होता है। योग गलत पोस्चर को सुधारने के साथ ही शारीरिक थकावट और दर्द से राहत दिलाने में भी असरदार है। अगर लैपटॉप पर ज्यादा काम करने से कलाई में दर्द हो रहा हो तो भी योग के माध्यम से कलाइयों के दर्द को कम किया जा सकता है। यहां कुछ योग और व्यायाम बताए जा रहे हैं जिनका अभ्यास उन लोगों के लिए बेहद जरूरी है जो लैपटॉप पर अधिक देर काम करते हैं। विशेषज्ञ के मुताबिक कुछ योग मुद्राएं हैं जो कलाई की मांसपेशियों को सक्रिय कर सकते हैं, लचीलापन और गतिशीलता में सुधार कर सकते हैं और रक्त संचार को बढ़ाने के साथ ही जोड़ों के कार्य को बेहतर बना सकते हैं।

नमस्कार मुद्रा

अपने हाथों को सामने की ओर ढीला-ढाला पकड़ें। सांस अंदर लेते हुए आगे की ओर झुके बिना दोनों हाथों को नीचे की ओर धकेलें। पांच सेकंड तक इस स्थिति में रुकें और फिर सांस छोड़कर आराम करें। इस मुद्रा को दो बार दोहराएं।

अधोमुखश्वानासन

इस योगासन को करने के लिए सबसे पहले हथेलियों को घुटनों से शुरू करते हुए कंधों के नीचे तक ले जाएं और घुटनों को हिप्स के नीचे करें। इसके बाद अपने हिप्स को ऊपर उठाकर अपने घुटनों को सीधा करें। अब आपको उल्टा वी आकार बनाना है, इसके लिए आपको अपने पैरों को संयोजित करना है। फिर एड़ी को फर्श से छूने की कोशिश करें। कुछ सेकंड रहने के बाद फिर से दोहराएं।

कलाई घुमाना

आरामदायक स्थिति में आकर अपनी कलाइयों को गोलाकार गति से घुमाएं, पहले दक्षिणावर्त और फिर वामावर्त। इस दौरान सामान्य रूप से सांस लें। इस मुद्रा को आप बैठकर या खड़े होकर जैसे चाहे कर सकते हैं।

उलटी प्रार्थना मुद्रा

इस मुद्रा के लिए अपने हाथों को पीठ के पीछे ले जाकर नमस्कार मुद्रा या प्रार्थना मुद्रा बनाएं। पांच सेकंड इसी स्थिति में रुके फिर आराम करें।

खुद से ही तो नहीं पहुंचा रहे अपनी किडनी को नुकसान? ऐसी आदतें हैं तो तुरंत कर लें इनमें सुधार

किडनी हमारे शरीर का भले ही एक छोटा सा अंग है, पर इसके कार्य बहुत महत्वपूर्ण हैं। इन अंग में होने वाली किसी भी समस्या का असर संपूर्ण स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाला हो सकता है। हालांकि जिस तरह से हम सबकी लाइफस्टाइल और खान-पान में गड़बड़ी बढ़ती जा रही है, इससे किडनी पर भी नकारात्मक असर हो रहा है।

यही कारण है कि कम उम्र में ही किडनी की बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है।कडनी हमारे शरीर में कई महत्वपूर्ण कार्य करती हैं। ये खून से टॉक्सिन्स, अपशिष्ट पदार्थ (जैसे यूरिया और क्रिएटिनिन) तथा अतिरिक्त पानी को बाहर करके शरीर को स्वस्थ बनाए रखती है। इतना ही नहीं शरीर में इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बनाए रखने में भी इसकी अहम भूमिका होती है। किडनी में किसी गड़बड़ी का असर आपके हार्ट हेल्थ पर भी पड़ सकता है, क्योंकि इसमें होने वाली समस्याएं हाई ब्लड प्रेशर का खतरा बढ़ा देती हैं।

क्या आप अपनी किडनी को स्वस्थ रखने के उपाय करते हैं?

खुद से ही तो नहीं बढ़ा रहे किडनी की दिक्कत?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, किडनी एरिथ्रोपोइटिन नामक हार्मोन का उत्पादन करती है जो बोन मैरो को लाल रक्त कोशिकाएं बनाने के लिए प्रेरित करता है। शरीर में पीएच बैलेंस को बनाए रखने और पानी का संतुलन बनाए रखने के लिए भी किडनी का सही तरीके से काम करते रहना जरूरी है। पर क्या आप खुद से ही तो इस महत्वपूर्ण अंग के लिए दिक्कतें नहीं बढ़ा रहे हैं?

नमक का ज्यादा सेवन तो नहीं करते आप

भोजन में अत्यधिक सोडियम (नमक) रक्तचाप बढ़ाता है इससे किडनी को अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ती है जिससे उसकी कार्यक्षमता प्रभावित होती है। नेशनल किडनी फाउंडेशन के अनुसार, अधिक नमक के सेवन से क्रोनिक किडनी डिजीज का खतरा भी बढ़ जाता है।नमक खाना सिर्फ हृदय स्वास्थ्य के लिए दिक्कत नहीं बढ़ाता है, ये आदत किडनी के लिए भी ठीक नहीं है।

कम पानी तो नहीं पी रहे हैं आप ?

कम पानी पीने से भी किडनी के लिए दिक्कतें बढ़ने लगती है। पानी कम पीने से शरीर में टॉक्सिन्स जमा होने लगते हैं और सही तरीके से शरीर से बाहर नहीं निकल पाते हैं। इससे किडनी स्टोन और अन्य समस्याएं हो सकती हैं। अमेरिकन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी ने एक रिपोर्ट में बताया कि पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से किडनी फंक्शन बेहतर होता है। पर अगर आप कम पानी पीते हैं तो इसके कई नुकसान हो सकते हैं।

इन गड़बड़ आदतों से भी बढ़ सकती है दिक्कत

अधिक चीनी और जंक फूड ब्लड शुगर को बढ़ाते हैं, जिससे डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियां हो सकती हैं। इससे भी किडनी को नुकसान पहुंचती है।

धूम्रपान या शराब पीना भी आपके लिए खतरनाक है। ये किडनी की रक्त वाहिकाओं को संकीर्ण कर देते हैं, जिससे किडनी को रक्त की आपूर्ति कम हो जाती है।

बार-बार दर्द वाली दवाएं खाना भी नुकसानदायक है। खुद से ही इन दवाओं का अधिक उपयोग किडनी की रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचा सकता है।

अधिक मात्रा में प्रोटीन डाइट भी किडनी पर अधिक दबाव बढ़ा सकता है।

संतुलित आहार, पर्याप्त पानी, नियमित व्यायाम और नशे से परहेज करके हम अपनी किडनी को स्वस्थ रख सकते हैं।

कोलकाता से फाइनल की हार का बदला लेने से चूकी हैदराबाद

दर्ज की सबसे बड़ी शिकस्त

एजेंसी

नई दिल्ली। वैभव अरोड़ा और वरुण चक्रवर्ती की घातक गेंदबाजी के दम पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को 120 पर रोककर 80 रन से मुकाबला अपने नाम कर लिया। यह हैदराबाद की आईपीएल में सबसे बड़ी हार है। गुरुवार को कोलकाता के ईडेन गार्डंस में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गत विजेता टीम ने 20 ओवर में छह विकेट खोकर 200 रन बनाए। जवाब में हैदराबाद 16.4 ओवर में ही ऑलआउट हो गई। इस तरह केकेआर ने एक बार फिर हैदराबाद को पटखनी दी। इससे पहले कोलकाता ने हैदराबाद को हराकर आईपीएल 2024 का खिताब जीता था पैट कमिंस के नेतृत्व वाली टीम ने इस सत्र की शुरुआत जीत के साथ की थी। उन्होंने अपने पहले मैच में राजस्थान रॉयल्स को 44 रन से हराया था। इसके बाद उन्हें लगातार तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा। कोलकाता से मिली हार के बाद सनराइजर्स अंक तालिका में 10वें पायदान पर पहुंच गई। उनका नेट रन रेट -1.612 हो गया। वहीं, केकेआर चार मैचों में दो जीत के साथ पांचवें स्थान पर पहुंच गई। उनके खाते

में चार अंक और नेट रन रेट 0.070 का हो गया है।201 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हैदराबाद के बल्लेबाजों ने निराशाजनक प्रदर्शन किया। उनकी तरह से हेनरिक क्लासेन ने सर्वाधिक 33 रनों की पारी खेली। उनके अलावा कामिंदु मेंडिस ने 27, नीतीश कुमार रेड्डी ने 19 और पैट कमिंस ने 14 रन बनाए। वहीं, छह बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए। कोलकाता के लिए वैभव अरोड़ा और वरुण चक्रवर्ती ने तीन-तीन विकेट झटके जबकि आंद्रे रसेल ने दो विकेट चटकाए। इसके अलावा हर्षित राणा और सुनील नरेन को एक-एक सफलता मिली। इससे पहले, अजिंक्य रहाणे और अंगकृष रघुवंशी की अर्धशतकीय साझेदारी तथा वेंकटेश अय्यर की 60 रनों की दमदार पारी की बदौलत कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने सनराइजर्स हैदराबाद के सामने 201 रन का लक्ष्य रखा। हैदराबाद के लिए मोहम्मद शमी, पैट कमिंस, जीशान अंसारी, हर्षल पटेल और कामिंदु मेंडिस ने एक-एक विकेट झटका टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी कोलकाता की शुरुआत झटके के साथ हुई। पावरप्ले में टीम के दोनों सलामी बल्लेबाज पवेलियन लौट गए। पैट कमिंस ने क्विंटन डिकॉक (1) को जीशान अंसारी को कैच कराया। इसके बाद मोहम्मद शमी ने सुनील नरेन (7) को अपना शिकार बनाया। इसके बाद मोर्चा कप्तान अजिंक्य रहाणे ने संभाला। उन्होंने तीसरे विकेट के लिए अंगकृष रघुवंशी के साथ 81 रनों की साझेदारी की। रहाणे 27 गेंदों में 38 रन बनाकर आउट हुए जबकि रघवंशी ने 32 गेंदों में अपना दूसरा अर्धशतक पूरा किया। इस दौरान उन्होंने पांच चौके और दो छक्के लगाए। इसके बाद कोलकाता के लिए वेंकटेश अय्यर संकटमोचक साबित हुए। उन्होंने महज 25 गेंदों में अर्धशतक जड़कर टीम का स्कोर 200 के करीब पहुंचा दिया। वह शानदार फॉर्म में नजर आए। उपकप्तान ने 206.89 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और 60 रनों की पारी खेलकर आउट हुए।

रेलवे, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान की टीमें सेमीफाइनल में

एजेंसी

नई दिल्ली। रेलवे ने आंध्र प्रदेश को 54-16 गोल से हराया। वहीं, बिहार ने

चंडीगढ़ को 29-18, पंजाब ने दिल्ली को 31-22, उत्तर प्रदेश ने हरियाणा को 30-24, केरल ने ओडिशा को 16-12, हिमाचल प्रदेश ने पश्चिम बंगाल को 24-14, मणिपुर ने गुजरात को 24-16 व राजस्थान ने महाराष्ट्र को 30-19 गोल से हराया।

अलीगढ़ में पावना इंटरनेशनल स्कूल के मैदान पर हो रही 53वीं सीनियर वूमेन हैंडबॉल चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में रेलवे, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान की टीमें पहुंच गई हैं। शुक्रवार को सेमीफाइनल के मुकाबले खेले जाएंगे। पांच अप्रैल को फाइनल खेला जाएगा।3 अप्रैल को क्वार्टर फाइनल के चार मैच खेले गए।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड से जुड़े फैसले की समीक्षा से किया इनकार

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा

की पीठ ने चुनावी बॉन्ड पर शीर्ष अदालत के दो अगस्त 2024 के फैसले के खिलाफ खेम सिंह भाटी की ओर से दायर समीक्षा याचिका खारिज कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल इस योजना के तहत प्राप्त धन को जब्त करने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया था। आइए अदालत के इस फैसले के बारे में विस्तार से जानते हैं।सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड से जुड़ी एक याचिका खारिज कर दी है। यह अपील 2018 में चुनावी बांड योजना के तहत राजनीतिक दलों को मिले 16,518 करोड़ रुपये जब्त करने की याचिकाओं के खिलाफ कोर्ट फैसले की समीक्षा की मांग करते हुए दायर की गई थी।मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने शीर्ष अदालत के दो अगस्त 2024 के फैसले के खिलाफ खेम सिंह भाटी की ओर से दायर समीक्षा याचिका खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल इस योजना के तहत प्राप्त धन को जब्त करने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया था।पीठ ने 26 मार्च को कहा, "हस्ताक्षरित आदेश के अनुसार समीक्षा याचिका खारिज की जाती है। यदि कोई लंबित आवेदन है, तो उसका निपटारा कर दिया जाएगा।" हाल ही में उपलब्ध कराए गए शीर्ष अदालत के आदेश में मामले में खुली अदालत में सुनवाई के लिए भाटी की प्रार्थना को भी स्वीकार करने से इनकार कर दिया गया है।पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने पिछले साल 15 फरवरी को भाजपा सरकार द्वारा शुरू की गई गुमनाम राजनीतिक फंडिंग की चुनावी बांड योजना को रद्द कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद इस योजना के अंतर्गत अधिकृत वित्तीय संस्थान भारतीय स्टेट बैंक ने आंकड़ों को चुनाव आयोग के साथ साझा किया था, जिसने बाद में सार्वजनिक कर दिया गया था।चुनावी बांड योजना को सरकार की ओर से 2 जनवरी, 2018 को अधिसूचित किया गया था।

पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी को मिली बड़ी जिम्मेदारी

एशियाई क्रिकेट परिषद की संभालेंगे कमान

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी को एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) का

अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नकवी ने यह जिम्मेदारी मिलने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा- मैं एशियाई क्रिकेट परिषद की अध्यक्षता ग्रहण करके बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं।पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी को एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वह गुरुवार से यह जिम्मेदारी संभालेंगे। इसकी जानकारी देते हुए एसीसी ने कहा- उनका नेतृत्व ऐसे समय में आया है जब एशियाई क्रिकेट निरंतर विकसित हो रहा है और पूरे क्षेत्र में अधिक अवसर, नवाचार और सहयोग ला रहा है।नकवी ने यह जिम्मेदारी मिलने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा- मैं एशियाई क्रिकेट परिषद की अध्यक्षता ग्रहण करके बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। एशिया विश्व क्रिकेट की धड़कन बना हुआ है और मैं खेल के विकास और वैश्विक प्रभाव को बढ़ाने के लिए सभी सदस्य बोर्डों के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। साथ मिलकर हम नए अवसरों को खोलेंगे, अधिक सहयोग को बढ़ावा देंगे और एशियाई क्रिकेट को अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। मोहसिन नकवी श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा की जगह लेंगे। शम्मी पिछले साल जय शाह के आईसीसी अध्यक्ष बनने के बाद से यह जिम्मेदारी संभाल रहे थे। उन्होंने तीन महीने तक यह पदभार संभाला। शम्मी ने कहा- एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष के रूप में सेवा करना मेरे लिए सौभाग्य की बात रही है। हमारे सदस्य बोर्डों की एक साथ काम करने की दृढ़ प्रतिबद्धता ने पूरे क्षेत्र में एसीसी के कद को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मैं अपने पूर्ववर्ती, आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह के प्रति आभार व्यक्त करता हूं, जिनके नेतृत्व में एसीसी ने महत्वपूर्ण मील के पत्थर हासिल किए - जिसमें एसीसी एशिया कप वाणिज्यिक अधिकारों के लिए अब तक का सबसे अधिक मूल्य हासिल करना, एक नया मार्ग कार्यक्रम संरचना शुरू करना और एशिया में क्रिकेट के निरंतर विकास का मार्ग प्रशस्त करना शामिल है। पद छोड़ते समय, मुझे पूरा विश्वास है कि नकवी के सक्षम नेतृत्व में, एसीसी अपनी उल्लेखनीय यात्रा जारी रखेगा और आगे बढ़ेगा।

विश्व मुक्केबाजी कप में भारतीय खिलाड़ियों का जलवा, मनीष-हितेश और अविनाश सेमीफाइनल में पहुंचे

एजेंसी

नई दिल्ली। मनीष ने 55 किग्रा वर्ग में ऑस्ट्रेलिया के पेरिस ओलंपियन यूसुफ चोटिया को हराया। दोनों मुक्केबाजों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन अंत में भारतीय मुक्केबाज विजयी रहा।भारत के मनीष राठौड़, हितेश और अविनाश जामवाल ने बुधवार को अपने-अपने वजन वर्ग में आसान जीत के साथ विश्व मुक्केबाजी कप ब्राजील 2025 में सेमीफाइनल में जगह बनाई। जामवाल ने 65 किग्रा वर्ग में जर्मनी के डेनिस ब्रिल को सर्वसम्मत फैसले से हराया जबकि हितेश ने इटली के गैब्रिएल गुइडी रेनतानी को 70 किग्रा वर्ग में सर्वसम्मत फैसले से शिकस्त दी।मनीष ने 55 किग्रा वर्ग में ऑस्ट्रेलिया के पेरिस ओलंपियन यूसुफ चोटिया को हराया।

सरकार ने 18 हजार करोड़+ की रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल और सूचना-प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने केंद्रीय कैबिनेट में हुए फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रेल मंत्रालय की 4 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इनकी कुल लागत 18,658 करोड़ रुपये है। महाराष्ट्र, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के 15 जिलों को कवर करने वाली परियोजनाओं से भारतीय रेलवे का मौजूदा नेटवर्क करीब 1247 किलोमीटर बढ़ जाएगा।केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने बताया कि परियोजनाओं में संबलपुर-जरापदा तीसरी और चौथी लाइन, झारसुगुड़ा-सासन तीसरी और चौथी लाइन, खरसिया-नया रायपुर-परमलकासा पांचवीं व छठी लाइन और गोंदिया-बल्हारशाह दोहरीकरण शामिल हैं। मंत्री वैष्णव ने बताया कि रेलवे लाइन विस्तार से गतिशीलता में सुधार होगा। इससे भारतीय रेलवे के लिए बेहतर दक्षता और सेवा विश्वसनीयता उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव रेल परिचालन को सुगम बनाएंगे और भीड़भाड़ को कम करेंगे। रेल मंत्री ने बताया कि 19 नए स्टेशनों का भी निर्माण किया जाएगा। स्टेशनों के निर्माण से महाराष्ट्र में गढ़चिरौली और छत्तीसगढ़ में राजनांदगांव तक कनेक्टिविटी बढ़ जाएगी।

मुंबई के खिलाफ लखनऊ ने 83% मैच जीते

बोल्ट-चाहर के सामने मार्श-पूरन को रोकने की चुनौती

एजेंसी

नई दिल्ली। रोहित शर्मा की खराब फॉर्म को लेकर मुंबई का खेमा भी चिंतित होगा। दूसरी ओर लखनऊ के पास घरेलू मैदान में इस मुकाबले को जीतकर वापसी करने का मौका है, लेकिन इसके लिए टीम के कप्तान ऋषभ पंत को अपने बल्ले की खामोशी तोड़नी होगी। वहीं, गेंदबाजों को भी अपने खराब प्रदर्शन का क्रम तोड़ना होगा।अब तक मुंबई इंडियंस के खिलाफ हुए मुकाबलों में भले ही लखनऊ सुपर जाएंट्स का पलड़ा भारी रहा है, पर पांच बार के चैंपियन मुंबई की चुनौती इस बार लखनऊ के लिए किसी भी हाल में आसान नहीं होने वाली है। मेजबानों के लिए कप्तान ऋषभ पंत की खराब फॉर्म और गेंदबाजी विभाग का लचर प्रदर्शन परेशानी का सबब बना है।

बारी महाकुंभ में अव्यवस्थाओं का अंबार सतेन्द्र बारी जी के अपमान से आहत समाज

- "बारी महाकुंभ में अव्यवस्था और अपमान से समाज आहत"
- "पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य सतेन्द्र बारी को उचित सम्मान न मिलने पर शक्ति शंकर बारी ने आयोजकों पर उठाए सवाल महाकुंभ की जांच की मांग"

लखनऊ। आज लखनऊ में आयोजित बारी महाकुंभ में हजारों की संख्या में समाज

के लोग एकत्र हुए। आयोजन का उद्देश्य एकता और सम्मान का संदेश देना था, लेकिन कार्यक्रम के संचालन में भारी अव्यवस्था और अनुभवहीनता के कारण यह महाकुंभ विवादों में घिर गया। कार्यक्रम के मध्यांतर में उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य श्री सतेन्द्र बारी का स्वागत होना था, लेकिन आयोजनकर्ताओं की लापरवाही और सुरक्षा व्यवस्था के अभाव में उन्हें वह सम्मान नहीं मिल सका जिसके वे अधिकारी थे। इस स्थिति से समाज में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया। समाजसेवी शक्ति शंकर बारी ने आयोजकों पर सवाल उठाते हुए कहा, "अगर इसी समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी उपस्थित होते, तो क्या उनके साथ भी ऐसा व्यवहार होता?" उन्होंने कहा कि यह आयोजन बारी समाज के लिए एक काला दिन साबित हुआ है, जिसमें सम्मान और प्रतिष्ठा की गंभीर क्षति हुई है। शक्ति शंकर बारी ने आरोप लगाया कि कुछ दिन पहले समाजहित में उठाए गए सवालों के जवाब आज भी आयोजकों के पास नहीं हैं, और इसी असमर्थता के कारण कार्यक्रम इस प्रकार अव्यवस्थित रहा। उन्होंने मांग की कि पूरे महाकुंभ आयोजन की निष्पक्ष जांच कराई जाए ताकि यह स्पष्ट हो सके कि यह बारी समाज का महाकुंभ था या कुछ लोगों के स्वार्थ और लूट का आयोजन। समाज के वरिष्ठ जनों और उपस्थित लोगों ने भी कार्यक्रम के कुप्रबंधन पर गहरी निराशा व्यक्त की है और भविष्य में अधिक जिम्मेदार आयोजन समिति गठित करने की मांग उठाई है।

लखनऊ में बारी महाकुंभ का भव्य आयोजन – शिरीष महाराज बारी ने दिया समाज को एकता का संदेश

लखनऊ। लखनऊ के उत्तराखंड गेस्ट हाउस में बारी समाज के भव्य महाकुंभ का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक

अवसर पर समाज के विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु एवं संत एकत्रित हुए। महाकुंभ का उद्देश्य समाज के संगठन, उत्थान और सांस्कृतिक विरासत को उजागर करना रहा। समारोह में विशेष रूप से बारी जाति के पूज्य गुरु शिरीष महाराज बारी जी ने उपस्थित होकर अपने प्रेरणादायक विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा, "महाकुंभ शब्द का अर्थ है एक ऐसा महान आयोजन, जहाँ साधु-संत, देवतुल्य मानव और समाज के अग्रणी लोग एकत्रित होकर संगठित होते हैं। जैसे हरिद्वार और प्रयागराज का महाकुंभ वर्षों बाद आता है, उसी प्रकार बारी समाज का यह महाकुंभ हमारे एकता और जागरण का प्रतीक है।" शिरीष महाराज बारी जी ने तुलसीदास कृत रामचरितमानस का उल्लेख करते हुए कहा कि श्रीराम के चरणों में समर्पण कर बारी समाज को सदैव उन्नति का मार्ग मिलेगा। उन्होंने सत्य, आनंद और संगठन की आवश्यकता पर बल दिया। "हमारा समाज हजारों वर्षों से अस्तित्व में है। आज हम हैं, कल नहीं रहेंगे, परंतु समाज रहेगा। इसलिए हमें व्यक्तिगत स्वार्थों से ऊपर उठकर समाज को संगठित करना होगा। राजनीति में खेल हो सकते हैं, पर समाज में नहीं। अगर हम समाजहित में एकजुट नहीं रहेंगे, तो उन्नति संभव नहीं।" समारोह में देशभर से आए समाजजनों ने बड़े उत्साह से भाग लिया। महाकुंभ में उपस्थित एक वक्ता ने कहा, "मैं बीते 15 वर्षों से रामायण और श्रीमद्भागवत कथा का वाचन कर रहा हूँ। लखनऊ में इस आयोजन के बारे में जैसे ही जानकारी मिली, हमारे समाज के अग्रज संतोष बारी जी, संतोष आसवार जी और डॉ. रमेश बारी जी ने आमंत्रण देकर बुलाया। यहाँ आकर जो आनंद और अपनापन महसूस हुआ, वह अविस्मरणीय है।" आयोजन के दौरान हजारों की संख्या में समाज के सदस्य एकत्रित हुए। फोटो सेशन, प्रसाद वितरण और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने इस महाकुंभ को और भी भव्य बना दिया। वक्ताओं ने समाज के पिछड़े क्षेत्रों में जागरूकता फैलाने और सभी राज्यों में ऐसे आयोजन करते रहने पर बल दिया। समारोह का मुख्य संदेश था कि समाज को संगठित होकर आगे बढ़ना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ भी अपनी गौरवशाली परंपराओं से जुड़ी रहें।

स्कूल वैन कार की टक्कर से 5 बच्चे हुए घायल, ड्राइवर की हालत गंभीर

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में लामार्टिनियर बॉयज स्कूल की प्राइवेट वैन का सुबह एक्सीडेंट हो गया। वैन में 5 बच्चे बैठे थे। ड्राइवर भी घायल हुआ है। मौके पर पहुंचे राहगीरों ने घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है। बताया जा रहा है कि एक बच्चे की हालत गंभीर है। जबकि 4 बच्चों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। स्कूल के प्रशासनिक अधिकारी एड्रियन ने बताया वैन आशियाना कि तरफ से बच्चों को लेकर स्कूल आ रही थी। इस दौरान बंगला बाजार पेट्रोल पंप के पास अचानक से तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। घटना के बाद राहगीरों ने बच्चों को दूसरी वैन से पहले अस्पताल पहुंचाया। यहां इलाज के बाद उनको घर भेज दिया गया। जबकि 9वीं के सृजन शिखर सिंह को नजदीक के उदयन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल बच्चें की हालत स्थिर है। वैन ड्राइवर की हालत गंभीर है। उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है। दुर्घटना में घायल सृजन की मां नीतू सिंह ने बताया कि अमीसी के पास उनका घर हैं। बेटा सृजन सुबह घर से स्कूल के लिए निकला था। वैन में कुल 9 बच्चें थे। बंगला बाजार के पास पेट्रोल पंप के करीब अचानक एक कार ने आकर वैन को टक्कर मार दी। दुर्घटना में बच्चे को चोट आई। उसे नजदीक के अस्पताल में भर्ती किया गया था। इलाज कराकर अब घर ले आये हैं। सतपाल नाम का ड्राइवर गाड़ी चला रहा था।

संक्षिप्त सामाचार

मुहर्रम के दिन ऑफिस खोल बैक डेट में 108 कर्मचारियों का किया प्रमोशन

जांच के आदेश,निदेशक से मांगी गई रिपोर्ट

लखनऊ (संवाददाता)। सहकारी समितियां एवं पंचायत लेखा परीक्षा के पूर्व निदेशक पद्मजंग ने निदेशक पद पर रहते मुहर्रम के अवकाश के दिन दफ्तर खोलकर 108 कर्मचारियों का नियम विरुद्ध प्रमोशन किया।भ्रष्टाचार के इस मामले की शिकायत के बाद शासन स्तर से जांच शुरू कर दी गई है। विशेष सचिव समीर ने विभाग के निदेशक से आख्या मांगी है। पद्मजंग को पहले भी रातोंरात प्रमोशन और तैनाती के एक अन्य मामले में निलंबित किया जा चुका है।सरकारी नियमों की धज्जियां उड़ाकर प्रमोशन के नाम पर भ्रष्टाचार के नए खुलासे से सहकारी समितियां एवं पंचायत लेखा परीक्षा विभाग में खलबली मच गई है। आरोप है कि 28 जुलाई 2023 को विभाग के पूर्व निदेशक पद्मजंग ने नियम विरुद्ध तरीके से 108 ज्येष्ठ लेखा परीक्षक को सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर प्रोन्नत कर दिया। प्रोन्नति आदेश के साथ सभी को कार्यमुक्त कर दिया। नया कार्यभार देने के लिए 30 जुलाई 2023 को रविवार के दिन कार्यालय खोल दिया जबकि उस दिन मुहर्रम भी था। कार्यालय खोलने के लिए किसी से अनुमति भी नहीं ली । नियमों को ताक पर रख 5400 ग्रेड पे फिक्स कर दी गईं।निदेशालय से 31 अगस्त 2024 को एसीपी संबंधी आदेश जारी होने के बाद खेल का खुलासा हुआ। आदेशों की पत्रावली से मालूम हुआ कि 108 कर्मचारियों की नियुक्ति की तारीख तो पुरानी है। इसके बाद शासन ने सभी कर्मचारियों की लेखा परीक्षक के पद पर नियुक्ति की तारीख, ज्येष्ठ लेखा परीक्षक और सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर पदोन्नति की तारीख के अलावा इन कार्मिकों की दी गई पहली और दूसरी एसीपी की अनुमन्यता की तारीख सहित पूरी रिपोर्ट मांगी गई है।

सावरकर मानहानि मामले में राहुल गांधी को हाईकोर्ट से झटका

समन खारिज करने की अर्जी नामंजूर

लखनऊ (संवाददाता)। सावरकर मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच से झटका लगा है। कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ समन आदेश रद्द करने से इनकार कर दिया है। हाईकोर्ट ने लखनऊ में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में लंबित सावरकर मानहानि मामले में राहुल गांधी को राहत देने से इनकार कर दिया है। राहुल गांधी ने याचिका में सत्र न्यायालय के उस आदेश को भी चुनौती दी थी, जिसमें शिकायतकर्ता अधिवक्ता नृपेंद्र पांडे द्वारा जून 2023 में उनकी शिकायत खारिज किए जाने के खिलाफ दायर पुनरीक्षण याचिका को अनुमति दी गई थी।मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की पीठ ने मौखिक रूप से टिप्पणी की कि राहुल गांधी के पास धारा 397 सीआरपीसी यानि धारा 438 बीएनएसएस के तहत सत्र न्यायाधीश के समक्ष जाने का उपाय उपलब्ध है। इसे देखते हुए अदालत ने उनकी याचिका रद्द कर दी।

मुनव्वर राना की दोनों बेटियां हाउस अरेस्ट, वक्फ बिल पास होने के बाद लखनऊ में हाई अलर्ट

लखनऊ (संवाददाता)।लोक सभा और राज्यसभा में वक्फ बिल पास होने के बाद पूरे प्रदेश में अलग-अलग जगह पर पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है। कई जगह इस बिल का विरोध भी किया जा रहा है। इसी बीच राजधानी में बीच शायर मुनव्वर राणा की दोनों बेटियां सुमैया राणा और उरूसा राणा को लखनऊ पुलिस की ओर से हाउस अरेस्ट किया गया है। सुमैया राणा के आवास पर भारी पुलिस फोर्स तैनात कर दिया गया है। आपको बता दें कि पुलिस को आशंका थी कि सुमैया राणा बाहर जाकर प्रदर्शन या भीड़ इकट्ठा कर सकती हैं। इसी वजह से आज उन्हें उनके घर पर रोका गया था। हालांकि इस दौरान पुलिस और सुमैया राणा के बीच जमकर नोकझोक हुई। सुमैया राणा का कहना है कि घर के बाहर तैनात हुए पुलिसकर्मी के पास किसी भी प्रकार का लिखित में कोई आदेश नहीं है, जो हमें वो दिखा सकें। प्रदर्शन की सिर्फ अफवाह की बुनियाद पर हमारे घर के बाहर लखनऊ पुलिस पहरा दे रही है, जो कि संविधान के खिलाफ है।

दिग्गज अभिनेता और फिल्मकार मनोज कुमार के निधन पर योगी ने व्यक्त किया शोक

लखनऊ (संवाददाता)।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि मशहूर अभिनेता एवं फिल्म निमार्ता मनोज कुमार का निधन कला और फिल्म जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, महान अभिनेता, प्रख्यात फिल्म निर्देशक, पद्मश्री से सम्मानित मनोज कुमार जी का निधन अत्यंत दुःखद तथा कला एवं फिल्म जगत की अपूरणीय क्षति है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। उन्होंने कहा, मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवार के साथ हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को सद्गति तथा शोकाकुल परिजनों और उनके प्रशंसकों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। देशभक्ति पर आधारित शहीद, उपकार एवं पूरब और पश्चिम जैसी लोकप्रिय फिल्मों में अभिनय के बाद भारत कुमार के नाम से मशहूर दिग्गज अभिनेता एवं फिल्मकार मनोज कुमार का शुक्रवार को तड़के मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 87 वर्ष के थे। कुमार की फिल्मों ने 1960 और 1970 के दशक में बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल की। मनोज कुमार के पारिवारिक मित्र और फिल्म निमार्ता अशोक पंडित ने मीडिया को बताया कि कुमार पिछले कुछ समय से बीमार थे और उम्र संबंधी समस्याओं के कारण उनका कोकिलाबेन अंबानी अस्पताल में तड़के करीब साढ़े तीन बजे निधन हो गया।

हाईस्कूल परीक्षा में अंजली गुप्ता का उत्कृष्ट प्रदर्शन, बनी स्कूल टापर

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित हाईस्कूल परीक्षा 2025 में महंथ मेमोरियल यू.एम.वी. पांडेयपुर, बसंतपुर तमकुही कुशीनगर की छात्रा अंजली गुप्ता ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय और क्षेत्र का मान बढ़ाया है। अंजली ने हिंदी में 86 अंक (ग्रेड A2), अंग्रेजी में 92 अंक (A1), गणित में 81 अंक (A2), विज्ञान में 77 अंक (B1), सामाजिक विज्ञान में 86 अंक (A2) तथा ड्राइंग में 88 अंक (A2) प्राप्त किए। कुल मिलाकर वह प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुईं और स्कूल की टापर बनी। अंजली गुप्ता ने अपनी सफलता का श्रेय माता कुसुम देवी, पिता अखिलेश दास गुप्ता तथा विद्यालय के शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन को दिया। अंजली ने कहा कि नियमित अध्ययन, समय का उचित प्रबंधन और कठिन परिश्रम से ही यह उपलब्धि संभव हो सकी। उन्होंने भविष्य में उच्च शिक्षा प्राप्त कर देशसेवा में योगदान देने की इच्छा भी जताई। विद्यालय परिवार ने अंजली की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए सम्मान समारोह आयोजित करने की घोषणा की। प्रधानाचार्य ने कहा कि अंजली जैसी प्रतिभाशाली छात्राएं अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। क्षेत्रीय ग्रामीणजनों ने भी अंजली को शुभकामनाएं देने वालों में प्रधानाचार्य महात्म कुशवाहा, प्रधानपति अशोक गोंड, पुर्व प्रधानपति पप्पू कुशवाहा, गया सिंह, मनीष सिंह, आलोक गुप्ता, रामनरेश पांडेय, सिपाही शर्मा, संतोष राय, अरविंद वर्मा, अमरनाथ प्रजापति, जवाहर पाल, भोला गुप्ता, रामाशीष गुप्ता, रबिंद्र सिंह, महंथ गिरी, सतनारायण गुप्ता, बच्चा गुप्ता, ओम प्रकाश भारती,इत्यादि बहुत ही ज्यादा संख्या में लोगों ने उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

यातायात व्यवस्था सुधारने हेतु गोरखपुर में चलाया गया चेकिंग अभियान

गोरखपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर के निर्देशन में एवं पुलिस अधीक्षक यातायात के नेतृत्व में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से यातायात पुलिस टीम द्वारा व्यापक चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान शहर के विभिन्न प्रमुख चौराहों एवं तिराहों पर नो पार्किंग क्षेत्र में खड़े वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की गई। इस क्रम में 07 वाहनों को टो करके यातायात यार्ड लाया गया, जबकि 67 चार पहिया और 151 दो पहिया वाहनों का चालान किया गया। इसके अतिरिक्त, बिना जोन स्टीकर, बिना रजिस्ट्रेशन, बिना ड्राइविंग लाइसेंस तथा बिना परमिट के संचालित हो रहे ई-रिक्शा और ऑटो चालकों के विरुद्ध भी अभियान चलाया गया। काली मंदिर तिराहा सहित शहर के अन्य प्रमुख स्थानों पर कुल 298 ऑटो चालकों को चेक किया गया। जांच के दौरान, 18 ऑटो बिना परमिट, 243 ऑटो/ई-रिक्शा बिना रजिस्ट्रेशन तथा 27 ऑटो बिना ड्राइविंग लाइसेंस के पाए गए, जिन्हें यातायात यार्ड में लाकर एम०वी० एक्ट की धाराओं के अंतर्गत सीज करने की कार्रवाई की गई। साथ ही एम०वी० एक्ट की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत 98 ऑटो/ई-रिक्शा चालकों का चालान भी किया गया। पूरे शहर क्षेत्र में यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर कुल 927 वाहनों के विरुद्ध एम०वी० एक्ट के तहत विधिक कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस द्वारा यह अभियान लगातार जारी रहेगा, ताकि शहर में सुरक्षित और सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। आम जनता से अपील की गई है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और सुरक्षित यात्रा करें।

बिहार की पहली कॉमेडी वेब सीरीज "श्राद्ध में जरूर आना" का ट्रेलर हुआ लॉन्च

बिहार। बिहार में एक ऐसी हास्य वेब सीरीज बनकर तैयार हो गई है जो दर्शकों को हँसी से लोटपोट कर देगी। वेब सीरीज का नाम है "श्राद्ध में जरूर आना"। यह वेब सीरीज परिवारिक ड्रामा के साथ-साथ लोककला नार्डी नाच के वर्तमान परिदृश्य को भी दशार्ती है, जो आज अपनी पहचान खोती जा रही है। "श्राद्ध में जरूर आना" अंगप्रदेश की पहली हास्य वेब सीरीज है। इसका ट्रेलर आज संजीत कुमार संगम यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। इस वेब सीरीज में मुंगेर, भागलपुर, खगड़िया, मधेपुरा और कटिहार के कलाकारों ने अभिनय किया है। ट्रेलर लॉन्च के अवसर पर फिल्म के निमार्ता भोला कुमार बागवानी ने कहा कि, "आप सभी इस वेब सीरीज को अपना प्यार और समर्थन दें ताकि अंगप्रदेश को फिल्म निर्माण के क्षेत्र में नई पहचान मिल सके।"

निर्देशक राज गौरव ने कहा कि, "यह फिल्म सिर्फ हास्य और मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में मौजूद विभिन्न चुनौतियों को भी दशार्ती है।" वेब सीरीज में मुख्य कलाकार के रूप में संजीत कुमार संगम, प्रशांत अधिकारी, राजनंदनी, प्रवीण प्यारेलाल, लोहा सिंह, राकेश जी, चंदन जी और अभिजीत कुमार बाबा नजर आएंगे। फिल्म के डीओपी आशीष गुप्ता हैं। ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में निर्देशक राज गौरव, लेखक प्रशांत अधिकारी, सह-निर्देशक मुस्कान, प्रोडक्शन हेड रंजन कुमार संगम तथा रोशन कुमार, आरुषि, दिलीप जी समेत सभी कलाकार मौजूद रहे।

दरगाह हजरत मुबारक खां शहीद के उर्स पर पारंपरिक जुलूस निकाला गया

गोरखपुर। दरगाह हजरत मुबारक खां शहीद का वार्षिक उर्स 26, 27 और 28 अप्रैल को धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। उर्स की शुरूआत दुआखानी, सरकारी चादरपोशी और पारंपरिक जुलूस के आयोजन के साथ हुई। जुलूस मियां बाजार (घोष कम्पनी) से प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरा। मार्ग में जगह-जगह समाजसेवियों, व्यापारियों और दरगाह में आस्था रखने वाले श्रद्धालुओं द्वारा जुलूस का पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर जुलूस में मुख्य अतिथि के रूप में हाजी सलमान चिश्ती, सज्जादानशीन दरगाह अजमेर शरीफ एवं चेयरमैन चिश्तिया फाउंडेशन ने शिरकत की। विशिष्ट अतिथि के तौर पर जे. लालेश रेड्डी और इकरार अहमद (अध्यक्ष, दरगाह मुबारक खां शहीद) भी उपस्थित रहे। शहर के कई सम्मानित नागरिक भी जुलूस में सम्मिलित होकर अपनी श्रद्धा प्रकट करते नजर आए। उर्स के दौरान धार्मिक अनुष्ठानों के साथ ही भाईचारे और सौहार्द का संदेश भी दिया जा रहा है।

यातायात नियमों के उल्लंघन पर चला सख्ती का डंडा, 818 वाहनों पर कार्रवाई

गोरखपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर के निर्देशन में और पुलिस अधीक्षक यातायात के नेतृत्व में यातायात व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने एवं सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु यातायात पुलिस टीम द्वारा विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के तहत बिना हेलमेट चलने वाले वाहन चालकों और उनके सहयात्रियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई, जिसमें कुल 498 वाहनों का चालान किया गया। इसके अतिरिक्त, शहर के विभिन्न चौराहों और तिराहों पर नो पार्किंग क्षेत्रों में खड़े वाहनों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। इस दौरान 8 वाहनों को टो कर यातायात यार्ड भेजा गया, जबकि 78 चार पहिया वाहनों और 164 दो पहिया वाहनों का चालान किया गया। अभियान के समापन पर यातायात नियमों का उल्लंघन करते हुए पकड़े गए कुल 818 वाहनों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट (एम.वी. एक्ट) के तहत विधिक कार्यवाही की गई। यातायात पुलिस की इस कार्यवाही से शहर में यातायात व्यवस्था में सुधार और सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया गया।

श्री भगवती प्रसाद कन्या महाविद्यालय की छात्राओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा घोषित हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा परिणामों में श्री भगवती प्रसाद कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय परिवार इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर गर्व का अनुभव कर रहा है। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रीना सिंह ने छात्राओं को शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए कहा कि, "यह सफलता विद्यार्थियों की कठिन परिश्रम और दृढ़ निश्चय का परिणाम है। मैं सभी छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूं और आशा करती हूं कि वे जीवन के हर क्षेत्र में सफलता अर्जित कर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें। प्रधानाचार्या ने कहा कि परीक्षाएं केवल अंक प्राप्ति का माध्यम नहीं हैं, बल्कि यह हमारी क्षमता और आत्मविश्वास का आकलन भी करती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि कम अंक आने पर हताश न हों, बल्कि भविष्य में बेहतर करने के लिए इसे एक प्रेरणा के रूप में लें। कठिनाइयों से जूझ कर ही हम अपनी वास्तविक क्षमता को पहचान सकते हैं। इस परीक्षा परिणाम में विद्यालय की हाई स्कूल की छात्रा कुमारी नैना गुप्ता ने 83% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं इंटरमीडिएट में कुमारी नित्या मिश्रा ने 82% अंक अर्जित कर प्रथम स्थान हासिल किया। यह उपलब्धि विद्यालय के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। इस अवसर पर विद्यालय की प्रवक्ता पुनीता देवी, उमा देवी, नीता मल्ल, माया सिंह, अनीता श्रीवास्तव, सुरभि त्रिपाठी, शुभम तिवारी, निखिल रंजन तिवारी तथा सहायक अध्यापिकाएँ नमिता श्रीवास्तव, अर्चना श्रीवास्तव, विनीता सिंह, आशा गुप्ता, मोनिका वर्मा और साधना यादव आदि उपस्थित रहीं। सभी ने छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

फातिमा अस्पताल में पोप फ्रांसिस को श्रद्धांजलि, प्रेम और करुणा के संदेश को किया गया स्मरण

गोरखपुर। आज दिनांक 25 अप्रैल 2025 को फातिमा अस्पताल गोरखपुर में पोप फ्रांसिस को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु एक भावपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 3 बजे एक प्रार्थना गीत के साथ हुआ, जिसने माहौल को गहन श्रद्धा से भर दिया। समारोह में फातिमा अस्पताल के निदेशक फादर डॉ. संतोष सेवास्तियन ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि पोप फ्रांसिस ने प्रेम, करुणा और भाईचारे का जो संदेश दिया है, वह आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक है। उनके आदर्श हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। इसके उपरांत श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में अनेक विशिष्ट अतिथियों ने पोप फ्रांसिस के प्रति श्रद्धा संदेश व्यक्त किए। डॉ. मंगलेश कुमार श्रीवास्तव, महापौर गोरखपुर ने कहा कि पोप फ्रांसिस ने संपूर्ण मानवता के लिए एकता और सेवा का संदेश दिया। श्री जसपाल सिंह, अध्यक्ष जटाशंकर गुरुद्वारा, ने पोप की सेवा भावना को विभिन्न धर्मों के बीच सेतु बताया। श्री पुष्प तंत्र जैन, उपाध्यक्ष व्यापारिक कल्याण बोर्ड उत्तर प्रदेश ने पोप फ्रांसिस के नैतिक मूल्यों को व्यापारिक और सामाजिक जीवन के लिए मार्गदर्शक बताया। सभी उपस्थितजनों ने पोप फ्रांसिस की स्मृति में एक मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का समापन फातिमा अस्पताल के सहयोगी निदेशक फादर विल्सन सी. डी. द्वारा प्रार्थना और धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने सभी विशिष्ट अतिथियों, कर्मचारियों और आगंतुकों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि पोप फ्रांसिस की शिक्षाएं हम सभी के लिए सदा प्रेरणा स्रोत बनी रहेंगी। यह श्रद्धांजलि समारोह अस्पताल के डॉक्टर, नर्सिंग छात्राओं, कर्मचारियों तथा आम नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में डॉ. विनय सिंह (मुख्य चिकित्सा अधिकारी), डॉ. नवीन पांडे (बाल रोग विशेषज्ञ), फादर सीजो (एसोसिएट निदेशक), सिस्टर लता एम.एस.जी. (प्रशासिका) सहित फातिमा अस्पताल के समस्त विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1995 में स्थापित फातिमा अस्पताल प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PMJA), भूतपूर्व सैनिक स्वास्थ्य योजना (ECHS), पूर्वोत्तर रेलवे, एनटीपीसी, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI), भारतीय स्टेट बैंक (SBI) एवं मुख्यमंत्री विवेकानंद कोष उत्तर प्रदेश जैसी योजनाओं से संबद्ध है तथा 24 घंटे इमरजेंसी सेवा, ब्लड बैंक, डायलिसिस यूनिट, फामेर्सी एवं एंबुलेंस सेवाएं उपलब्ध कराता है।

विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

गोरखपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना चौरीचौरा पुलिस ने विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान आकाश सिंह उर्फ अखिलेश सिंह पुत्र सुमंत सिंह, निवासी ग्राम बसडीला छोटा, पोस्ट बड़ी तिवारी, जिला देवरिया के रूप में हुई है। अभियुक्त ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर वादी मुकदमा सहित कुल 36 लोगों से विदेश भेजने के नाम पर पासपोर्ट और 23 लाख 85 हजार रुपए एकत्र किए थे। अभियुक्त द्वारा फर्जी वीजा और कूटरचित एग्रीमेंट देकर वादी सहित अन्य पीड़ितों को मुंबई बुलाया गया। जब वादी द्वारा मुंबई पहुंचकर अभियुक्त से संपर्क करने का प्रयास किया गया तो अभियुक्त ने अपना मोबाइल बंद कर लिया। वापस लौटने पर जब वादी ने अपना पैसा और वैध पासपोर्ट मांगा तो अभियुक्त ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। उक्त घटना के संबंध में वादी द्वारा थाना चौरीचौरा में तहरीर दी गई थी। प्राप्त शिकायत के आधार पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद गोरखपुर द्वारा विशेष निर्देश जारी कर अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक उत्तरी के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी चौरीचौरा के पर्यवेक्षण में, प्रभारी निरीक्षक चौरीचौरा के नेतृत्व में उपनिरीक्षक अजीत कुमार यादव व पुलिस टीम द्वारा मुकदमा पंजीकृत कर अभियुक्त आकाश सिंह उर्फ अखिलेश सिंह को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि अभियुक्त के अन्य साथियों की तलाश भी जारी है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने जनता से अपील की है कि विदेश यात्रा अथवा नौकरी के नाम पर किसी भी अज्ञात व्यक्ति पर भरोसा करने से पहले भलीभांति जांच पड़ताल कर लें।

कप्तान गोलू गुप्ता और ओपनर शुभ श्लोक के बीच 158 रनों के पहले विकेट के लिए साझेदारी

हॉक स्पोर्ट्स माउंट लिट्रा जी स्कूल कुसमी के मैदान पर चल रहे अंडर- 16 क्रिकेट चैंपियन सीरीज के पहले मैच में नीना थापा क्रिकेट एकेडमी और हॉक स्पोर्ट्स के बीच खेला गया। जिसमें नीना थापा क्रिकेट एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। नीना थापा पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 35 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 185 रनों का स्कोर खड़ा किया। जिसमें ओपनर बल्लेबाज प्रियम सिंह ने 74 रन की पारी खेली। आयुष शर्मा ने नाबाद 28 रन और आर्यन सिंह ने 25 रनों योगदान दिया। हॉक स्पोर्ट्स की तरफ से गेंदबाजी करते हुए चितरंजन चतुवेर्दी और आरुष कुमार ने दो - दो विकेट, और केशव सिंह, अय्यूब अली और शुभ श्लोक ने एक - एक विकेट हासिल किया। दूसरी इनिंग में हॉक स्पोर्ट्स के कप्तान गोलू गुप्ता ने शानदार नाबाद 72 रनों कि कप्तानी पारी खेला और ओपनर बल्लेबाज शुभ श्लोक ने 88 रनों का शानदार पारी खेली और दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 158 रनों का पार्टनरशिप किया। और ओपन बल्लेबाज शुभ श्लोक 88 रनों पर रन आउट हो गए और प्रतीक कुमार ने नाबाद 9 रन बनाया और हॉक स्पोर्ट्स ने 33.1 ओवरों ने 9 विकेट से जीत दर्ज किया। इस मैच का मैन ऑफ द मैच का ट्रॉफी शुभ श्लोक को शानदार बल्लेबाजी के लिए दिया गया।

फरियादियों की समस्याओं पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश, गोरखपुर पुलिस ऑफिस में सुनवाई

गोरखपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर द्वारा 25 अप्रैल 2025 को पुलिस कार्यालय गोरखपुर में फरियादियों की समस्याओं को सुना गया। सुबह से ही कार्यालय परिसर में बड़ी संख्या में फरियादी अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर पहुंचे थे। कई फरियादी भू-माफियाओं की दबंगई से परेशान थे, तो कुछ पैसे के लेनदेन के विवादों से त्रस्त थे। वहीं अन्य लोग भी विभिन्न प्रकार की शिकायतों के निस्तारण के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मिलने आए थे। फरियादियों की पीड़ा को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर ने संबंधित अधिकारियों को त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने फरियादियों को भरोसा दिलाया कि उनके साथ न्याय किया जाएगा तथा किसी भी प्रकार की समस्या आने पर वे बिना संकोच पुलिस कार्यालय आकर अपनी बात रख सकते हैं। एसएसपी डॉ. ग्रोवर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अपराध करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी और किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि पीड़ितों को प्रशासन का पूरा सहयोग मिलेगा और उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाएगा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की संवेदनशीलता और तत्परता से फरियादियों के चेहरों पर राहत की मुस्कान और न्याय पाने की नई उम्मीद देखी गई। लोग अपने साथ हुए अन्याय के विरुद्ध अब अधिक विश्वास और साहस के साथ आगे बढ़ने को तैयार नजर आए।

राजा शिवदीन सिंह बारी जयंती एवं महाकुंभ उत्तराखंड गेस्ट हाउस में मुख्य वंशज के द्वारा लगाई गई न्याय की गुहार उन्हें किया गया अपमानित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बारी महाकुंभ राजा शिवदीन सिंह बारी जयंती बारी सेवा संघ गैर पंजीकृत संस्था के द्वारा कराया गया जिसमें राजा शिवदीन सिंह बारी के मुख्य वंशज विमला देवी बारी एवं उनके परिवार के लोग विरोध में पहुंचे कार्यक्रम स्थल आयोजक कमेटी के द्वारा महल की देखरेख करता को बताया गया मुख्य वंशज जिसको लेकर विमला देवी बारी ने खड़े किए सवाल उनकी मांग थी जिन लोगों को मंच पर स्थान दिया गया है वह मुख्य वंशज नहीं है जबकि वसीयतनामा उनके पति स्वर्गीय सतगुरु बारी के नाम पर है महल से संबंधित कुछ डॉक्यूमेंट उनके पास मौजूदा स्थिति में है पिछले तीन महीना से बारी महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा था जबकि मुख्य वंशज लखनऊ में निवास करते हैं अपना जीवन यापन करने के लिए महल में जिन्हें रखा गया उन्हें महल की देखरेख करने के लिए दिया बाती करने के लिए रखा गया था लेकिन अब वह लोग वहां पर कब्जा करना चाहते हैं कब्जा करने वाले अजय कुमार बारी दिलीप कुमार बारी का परिवार है कुछ गलत डॉक्यूमेंट बनवा कर वहां पर एक टावर भी लगवाया गया बिना मुख्य वंशज के अनुमति के जिसकी जांच शीघ्र ही करने की मांग की जा रही है अब मुख्य वंशज का कहना है कि हम न्यायालय की शरण में जाएंगे और जो उनके साथ अन्याय किया गया है उसको लेकर कार्रवाई की जाएगी मुख्य वंशज को पिछले दो कार्यक्रमों में समाज के बीच में लाया गया था एक कार्यक्रम 2022 में महल के पास ब्लॉक परिसर में अमृत महोत्सव के माध्यम से सरकारी कार्यक्रम दर्ज कराया गया था दूसरा कार्यक्रम अखिल भारतीय बारी संघ का अधिवेशन लखनऊ में हुआ था जिसमें मुख्य वंशज को आमंत्रित किया गया था महाराष्ट्र से आई मंगला ताई बारी के द्वारा मुख्य वंशजों को सम्मान दिया गया था।

Balancing Household Responsibilities, Jaya Gupta Crowned Mrs. Gorakhpur 2025

Gorakhpur | Who says women are not empowered? If you throw a stone at the sky, it might still leave a mark. Today, women are excelling in every sector — be it politics, social work, economy, healthcare, education, or sports. In line with this spirit, Jaya Gupta has set an inspiring example by winning the title of Mrs. Gorakhpur 2025.““Sharing her journey, Jaya Gupta said that despite her household responsibilities, she participated in the competition and proved that today's women can achieve anything with determination and support. She credited her family for their unwavering encouragement throughout her journey.““Currently, Jaya Gupta serves as the Principal of a primary school in Sahjanwa, where she works diligently to nurture the talents of young children through educational initiatives. Alongside her teaching responsibilities, she is actively engaged in social work, empowering women by providing them with platforms for self-reliance.““Reflecting on Gorakhpur's progress, Jaya Gupta remarked that the city has significantly transformed over the past 10–15 years. She emphasized that Purvanchal is brimming with talent, which simply needs to be identified and nurtured. She urged parents to recognize and support the talents of their children, enabling them to bring glory to society and the nation.““The felicitation event was attended by senior journalist from Bharat 24, Vidyadhar, Bureau Chief of Purvanchal State Sunil Mani Tripathi, Saddam Saqib, and members of Jaya Gupta's family. Everyone extended their heartfelt congratulations and best wishes for her future endeavors.

Journalists Express Outrage Over Pahalgam Massacre, Memorandum Sent to Prime Minister

Gorakhpur | In response to the cowardly terrorist attack in Pahalgam, journalists and advocates from Gorakhpur expressed deep anger and demanded a strong and decisive response from India. Under the banner of the Gorakhpur Journalist Association, a memorandum was submitted today to the Honorable Prime Minister of India, Shri Narendra Modi, through City Magistrate Mr. Himanshu Verma, the representative of the district administration.““While presenting the memorandum, Association President Ratnakar Singh stated that after the brutal attack by Lashkar-e-Taiba's front organization "The Resistance Front" in Pahalgam, where 27 innocent Indian citizens were killed, India must avenge every drop of blood shed. He emphasized that it is time for India to completely reclaim Pakistan-occupied Kashmir (PoK) and deliver a strong, unforgettable blow to Pakistan, ensuring it never dares to look toward India

again.““Ratnakar Singh strongly asserted that, similar to how Israel defends its citizens by taking direct action against enemies even within their homes, India must now undertake decisive and direct action. He pointed out that incidents like the Kandahar hijacking, the attack on the Indian Parliament, the Raghunath Temple, Akshardham Temple attacks, and the Pulwama massacre have gone without sufficiently severe retaliation, leading to repeated tragedies.““He declared that the era of limited surgical strikes is over and the time for final, conclusive action has arrived. The 1.5 billion citizens of India now demand an end to Pakistan's cowardice and terrorism.““A large number of journalists and advocates participated in this protest, including Arun Singh, Manoj Srivastava, Ganesh, Pankaj Dwivedi, Ritesh Mishra, Bhupendra Dwivedi, Ajit Singh, Yusuf Wahab, Basir Ahmad, Radheshyam Prajapati, Harish Pandey, Pradeep Tripathi, Shashi Bhushan Ojha, Shailendra Singh, Manoj Yadav, Arkan, Ashish Bhatt, Premanand, Mrityunjay Naval, Deepti Man, Rajeev Pandey, Pankaj Srivastava, Durgesh Yadav, Santosh Mani Tripathi, Ajay Shankar Trivedi, Rahul Srivastava, Dabir Alam, Akash Singh, Shweta Yadav, Radheshyam Sonkar, Rakesh Rawat, among others, with nearly 200 journalists and advocates present.

University Fails to Provide Basic Facilities, ABVP Sets Up 15 Water Stations for Students

ABVP has set an example of how student organizations can fulfill their social responsibility," says Sub-Divisional Magistrate.

In response to the acute shortage of drinking water at Deendayal Upadhyay Gorakhpur University, activists of the Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad (ABVP), Gorakhpur University unit, have established 15 water stations across the campus. The inauguration ceremony was held on Friday and was graced by Sub-Divisional Magistrate Anjani Kumar, Red Cross Society Chairman Shivendra Vikram Singh, ABVP National Executive Council Member Prof. Sushma Pandey, and University Controller of Examinations Prof. Gopal Prasad. Both students and

university staff have praised this initiative.““As April comes to an end, the summer season is reaching its peak. It feels as if fire is raining down from the sky. In this extreme heat, students have been struggling to find drinking water on the campus. Despite the harsh conditions, there has been no adequate arrangement for potable water by the university administration. Only a few locations within the university have minimal water supply. Even at the university's main gate, water taps often run dry shortly after being turned on.““Students reported that although they have been repeatedly highlighting the shortage of drinking water to university authorities, little has been done. Though some non-functioning water coolers were repaired, regular water supply remains inconsistent.“The 15 water stations installed by the ABVP are expected to provide much-needed relief to students during this scorching summer.Sub-Divisional Magistrate Anjani Kumar, appreciating ABVP's welfare initiative, stated that such efforts send a positive message to society and reflect the sensitivity and responsibility of today's youth. He said, "ABVP has set an example of how a student organization can shoulder social responsibility."Prof. Sushma Pandey, ABVP National Executive Council Member, remarked that this endeavor reflects the Parishad's spirit of 'Service as a Commitment.' She emphasized that ABVP has always been dedicated to student welfare and development since its inception and will continue to undertake such community service projects in the future.““Prominent attendees at the event included Metropolitan President Dr. Vivek Shahi, State University Work Coordinator Omkar, Department Organization Minister Rajvardhan, Aditya Pratap Singh, Shubham Govind Rao, and other ABVP activists.

Suryanshi Srivastava's excellent performance in high school examination

Made her parents and teachers proud by scoring 85 percent marks in high school

Gorakhpur. Suryanshi Srivastava, a student of Saraswati Vidya Mandir Girls Inter College Arya Nagar Gorakhpur, has brought glory to the school, teachers, parents and the region by performing excellently in the high school examination 2025 conducted by the Uttar Pradesh Board of Secondary Education.Suryanshi Srivastava who scored 82 marks (grade A2) in Hindi, 87 marks (A2) in English, 89 marks (A2) in Mathematics, 82 marks (A2) in Science, 82 marks (A2) in Social Science and 88 marks (A2) in Drawing. Overall, she has passed in first division.““Suryanshi Srivastava attributed her success to her mother Priya Srivastava, father Advocate Vinod Kumar Srivastava and her family members“Pramod Srivastava Lecturer M. S. I. Inter College Gorakhpur, senior journalist Pradeep Srivastava and the able guidance of the teachers of the school. Suryanshi Srivastava said that this achievement was possible only through regular study, proper time management and hard work. She also expressed her desire to contribute to the country by pursuing higher education in the future. The school family expressed happiness over Suryanshi Srivastava's success and announced to organize an award ceremony. The Principal said that talented students like Suryanshi Srivastava are a source of inspiration for other students. The school family congratulated Suryanshi Srivastava and wished her a bright future.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक :

शक्ति शंकर

मो नं.

7233999001

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।